■ श्रावण शुक्ल - 8 ■ संवत 2080 ■ वर्ष - 19 ■ अंक - 32 ■ पृष्ठ - 8 ■ रु. 5/- बेंगलूरु » गुरुवार » 24-08-2023 ■ www.dakshinbharat.com ■ Email : news@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ದಕ್ಷಿಣ ಭಾರತ ರಾಷ್ಟ್ರಮತ | ಹಿಂದಿ ದಿನ ಪತ್ರಿಕೆ | बेंगलूरु और चेन्नई से एक साथ प्रकाशित

5 मायावती ने दिये 'एनडीए' और 'इंडिया' से दूरी बनाये रखने के स्पष्ट संकेत

6 यूपी में गठबंधन सियासत पर कांग्रेस की हसरतें और हकीकत पड़ सकी हैं भारी

7 पुतिन ने आर्थिक शिखर सम्मेलन के दौरान रूस पर प्रतिबंधों की निंदा की

फर्स्ट टेक

चंद्रयान-3 की सफलता पर नासा ने दी भारत को बधाई

न्यूयॉर्क/वार्ता। अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा के प्रमुख बिल नेल्सन ने भारत को बधाई देते हुए बुधवार को कहा कि चंद्रयान-3 ने चांद की सतह पर सफल लैंडिंग करके इतिहास रच दिया है। नेल्सन ने चंद्रयान-3 के चांद के दक्षिणी ध्रुव पर सफल लैंडिंग पर भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन(इसरो) को बधाई देते हुए कहा, चंद्रयान-3 चंद्र की दक्षिणी ध्रुव पर सफल लैंडिंग पर बधाई हो इसरो ! चंद्रमा पर अंतरिक्ष यान की सफलतापूर्वक सॉफ्ट-लैंडिंग करने वाला चौथा देश बनने पर भारत को बधाई। हमें इस मिशन में आपका भागीदार बनकर खुशी हो रही है।

सचिन तेंदुलकर निर्वाचन आयोग के 'नेशनल आइकन' नियुक्त

नई दिल्ली/भाषा। निर्वाचन आयोग ने मतदान के प्रति शहरी और युवा मतदाताओं की उदासीनता के बीच अपने जमाने के दिग्गज क्रिकेट खिलाड़ी रहे सचिन तेंदुलकर को चुनावों में मतदाताओं की अधिक भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए बुधवार को आयोग का 'नेशनल आइकन' नियुक्त किया। तेंदुलकर को 'नेशनल आइकन' ऐसे समय में बनाया गया है जब आयोग अक्टूबर-नवंबर में पांच राज्यों में विधानसभा चुनाव और 2024 में लोकसभा चुनाव कराने की तैयारी कर रहा है। 'मास्टर ब्लास्टर' कहलाने वाले तेंदुलकर और आयोग के बीच एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। तीन साल के समझौते के तहत तेंदुलकर मतदाताओं के बीच मतदान को लेकर जागरूकता फैलाएंगे। इस अवसर पर तेंदुलकर ने कहा, भारत दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र है और यह हमारी मुख्य जिम्मेदारी है कि हम अपने मताधिकार का इस्तेमाल करें।

रूस ने ओडेसा पर ड्रोन हमले किए, यूक्रेन ने भी फिर मॉस्को को बनाया निशाना

कीव/एपी। रूस और यूक्रेन ने बुधवार तड़के एक-दूसरे पर ड्रोन से हमले किए। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। माना जा रहा है कि यूक्रेन ने एक बार फिर मॉस्को को निशाना बनाने की कोशिश की, जबकि रूसी सैनिकों ने यूक्रेन के अनाज भंडारण डिपो पर एक बार फिर बमबारी शुरू कर दी है। यूक्रेन और रूस के बीच गत 18 महीने से जारी युद्ध में यूक्रेन के अनाज भंडार पर हमला मॉस्को की एक रणनीति बन गया है। ओडेसा के क्षेत्रीय सैन्य प्रशासन प्रमुख ओलेह कीपर ने टेलीग्राम संदेश में कहा कि रूस ने मंगलवार की रात लगातार तीन घंटे तक दक्षिणी ओडेसा क्षेत्र में ड्रोन से हमले किए जिसकी वजह से भंडारण सुविधा में आग लग गई।

24-08-2023 सूर्यास्त 6:35 बजे	25-08-2023 सूर्योदय 6:08 बजे
BSE 65,433.30 (+213.27)	NSE 19,444.00 (+47.55)
सोना 6,127 रु. (24 कैरेट) प्रति ग्राम	चांदी 71,994 रु. प्रति किलो

मिशन मंडेला
दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

भारत जिंदाबाद

सूरज चंदा की बातें अब,
कर रहा आज पूरा भारत।
विकसित देशों के दादा भी,
हो रहे हमारे सम्मुख नत।
जन के मन में उल्लास भरा,
नेताओं के मन में जनमत।
इसरो के सारे जांबाजों,
है नमन सभी को ही शत-शत।।

भारत की 'चंदा मामा' पर फतह

दक्षिणी ध्रुव पर पहुंचने वाला बना एकलौता देश बना भारत

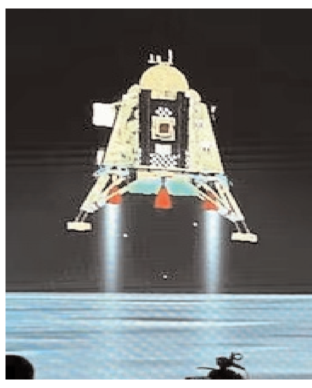

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

श्री हरिकोटा/वार्ता। भारत ने विश्व गुरु बनने की दिशा में बुधवार को बड़ी छलांग लगाते हुए चांद के उस हिस्से पर राष्ट्रीय ध्वज लहरा दिया जहां आज तक कोई भी देश नहीं पहुंच पाया था।भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन(इसरो) के वैज्ञानिकों ने चंद्रयान -3 को चांद के दक्षिणी ध्रुव पर उतारकर अंतरिक्ष की दुनिया में इतिहास रच दिया।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने दक्षिण अफ्रीका से वीडियो कांफ्रेसिंग के माध्यम से वैज्ञानिकों को बधाई देते हुए कहा कि आज सफलता की अमृत वर्षा हुयी है। देश ने धरती पर सपना देखा और चांद पर साकार किया। कुछ दिन पहले रूस ने चांद के दक्षिणी ध्रुव पर पहुंचने की कोशिश की थी लेकिन उसका लूना-25 अंतरिक्ष यान चांद की सतह से टकराकर दुर्घटनाग्रस्त हो गया था।

ऐसे में भारत के चंद्रयान-3 मिशन की अहमियत और बढ़ गई थी। पूरी दुनिया की नजर इस मिशन पर थी। चंद्रयान-3 की सफलता के लिए देश के कोने-कोने में आज सुबह से पूजा, प्रार्थना और इबादत की दौर शुरू हो गयी थी। इसरो के वैज्ञानिकों ने चंद्रयान -3 को चांद की ऐसी सतह पर उतरा है जो मुश्किलों की जाल से घिरी है। सबसे बड़ी चुनौती यहां का अंधेरा था। यहां पर लैंडर बिक्रम को उतारना काफी मुश्किल था क्योंकि चांद पर पृथ्वी की तरह वायुमंडल नहीं है। हमारे वैज्ञानिकों ने मुश्किलों को 'राई' बनाकर पुरानी गलतियों से बड़ी सबक लेते हुए चंद्रयान-3 के लैंडर और रोवर 'प्रज्ञान' को चांद के उस आगोश में पहुंचाकर सांस ली, जहां से कई खगोलीय रहस्यों का परत-दर परत खुलेगा। चंद्रयान -3 के रोवर में चंद्रमा की सतह से संबंधित डेटा प्रदान करने के लिए पेलोड के साथ कॉन्फ़िगर की गयी मशीनें लगी हैं। यह चंद्रमा के वायुमंडल की मौलिक संरचना पर डेटा एकत्र करेगा और लैंडर को डेटा भेजेगा। लैंडर पर तीन पेलोड्स हैं। उनका काम चांद की प्लाज्मा डेंसिटी, थर्मल प्रॉपर्टीज और लैंडिंग साइट के आसपास की सीस्मिसिटी मापना है ताकि चांद के क्रस्ट और मैंटल के स्ट्रक्चर का सही-सही पता लग सके।

इसरो प्रमुख ने चंद्रयान-3 की सफलता का श्रेय टीम को दिया

नई दिल्ली/वार्ता। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन(इसरो) के प्रमुख एस सोमनाथ ने बुधवार को चंद्रयान -3 की सफलता के लिए अपनी टीम के वैज्ञानिकों को श्रेय दिया और देश के नागरिकों को बधाई दी। चंद्रयान -3 चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर सफलतापूर्वक उतरकर ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल करने वाला पहला देश बन गया है। डॉ. सोमनाथ ने देश के लोगों को बधाई देते हुए चंद्रयान -3 के लैंडर विक्रम की चंद्रमा पर सुरक्षित और सॉफ्ट लैंडिंग पर कहा, चंद्रमा पर हैं भारतीय' भारत चंद्रमा पर है।'

चंद्रमा की सतह पर 14 दिवसीय कार्य शुरू करेगा रोवर

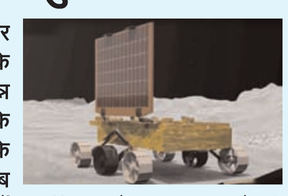

बेंगलूरु/भाषा। चंद्रयान-3 की चंद्रमा की सतह पर सफलतापूर्वक सॉफ्ट लैंडिंग के बाद अब रोवर मॉड्यूल इसरो के वैज्ञानिकों द्वारा दिए गए 14 दिवसीय कार्य शुरू करेगा। उसके विभिन्न कार्यों में चंद्रमा की सतह के बारे में और जानकारी हासिल करने के लिए वहां प्रयोग करना भी शामिल है। 'विक्रम' लैंडर के चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर सॉफ्ट लैंडिंग कर अपना काम पूरा करने के बाद अब रोवर 'प्रज्ञान' के चंद्रमा की सतह पर कई प्रयोग करने के लिए लैंडर मॉड्यूल से बाहर निकलने की संभावना है। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के अनुसार, लैंडर और रोवर में पांच वैज्ञानिक उपक्रम (पेलोड) हैं जिन्हें लैंडर मॉड्यूल के भीतर रखा गया है। इसरो ने कहा कि चंद्रमा की सतह पर वैज्ञानिक प्रयोग करने के लिए रोवर की तैनाती चंद्र अभियानों में नयी ऊंचाइयां हासिल करेगी।

चन्द्रयान-3 की सफलता पर मोदी की इसरो वैज्ञानिकों को बधाई, कहा

भारत की कामयाबी दुनिया की कामयाबी : मोदी

जोहान्सबर्ग/नई दिल्ली/वार्ता। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने चन्द्रयान-3 मिशन के सफलता पर भारतीय अनुसंधान संगठन (इसरो) के वैज्ञानिकों और देशवासियों को बधाई देते हुए कहा कि भारत ने अंतरिक्ष विज्ञान के क्षेत्र में सूर्य के अध्ययन से बड़े अभियानों की योजना बनायी है। मोदी ने भारत की इस उपलब्धि को न केवल भारत बल्कि समग्र विश्व के लोगों की सफलता बताते हुए कहा कि भारत इस क्षेत्र में दुनिया के साथ सहयोग करने को तैयार है। उन्होंने इस उपलब्धि को विफलता को सफलता में बदलने का करिश्मा बताते हुए कहा कि दक्षिण (विकाशसील दुनिया) के देश भी इस तरह की कामयाबी हासिल करने में समर्थ है।

प्रधानमंत्री ने जोहान्सबर्ग (दक्षिण अफ्रीका) से वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से इसरो के मिशन नियंत्रण कक्ष में सभी वैज्ञानिकों और तकनीशियनों को संबोधित करे हुए घोषणा की कि भारत जल्द ही सूर्य के विस्तृत अध्ययन के लिए आदित्य एल वन मिशन जल्द ही शुरू करेगा ।

मोदी ने ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में भाग लेने दक्षिण अफ्रीका गए हैं। उन्होंने वहां से अपने संबोधन में कहा, मेरे प्यारे देशवासियों, जब हम अपनी आंखों के सामने इतिहास बनता देखते हैं, तो यह जीवन धन्य हो जाता है। यह पल अविस्मरणीय है। यह शाम अभूतपूर्व है। यह शाम विकसित भारत के शंखनाद का है। यह क्षण नये भारत के उद्घोष का है। यह क्षण मुश्किलों के महासागर को पार करने का है। यह क्षण जीत का, चंद्रपटल पर चलने का है। यह क्षण 140 करोड़ धड़कनों के सामर्थ्य का है। यह क्षण भारत में नयी ऊर्जा, नये विश्वास, नयी चेतना का है। यह क्षण भारत के उदयमान आह्वान का है। अमृतकाल की प्रथम प्रभा में सफलता की अमृत वर्षा हुई है। प्रधानमंत्री ने कहा, मेरा मन चंद्रयान महाअभियान पर भी लगा हुआ है। नया इतिहास बनते ही हर भारतीय जश्न में डूब गया है। मैं भी उमंग और उल्लास से जुड़ा हुआ हूं। मैं टीम चंद्रयान को, इसरो को बहुत-बहुत बधाई देता हूं, जिन्होंने इस पल के लिये वर्षों तक इतना परिश्रम किया है। उत्साह, मन आनंद और भावुकता से भरे इस पल के लिये मैं (श्री मोदी) 140 करोड़ देशवासियों को भी कोटि-कोटि बधाइयां देता हूं।

कार्लसन-प्रज्ञानंद के बीच दूसरा मुकाबला भी रहा ड्रॉ, टाईब्रेक से होगा फैसला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बाकू/वार्ता। भारत के 18 वर्षीय ग्रैंडमास्टर रमेशबाबू प्रज्ञानंद और नॉर्वे के पांच बार के विश्व चैंपियन मैग्नस कार्लसन के बीच खेला गया फिडे विश्व कप फाइनल का दूसरा राउंड बुधवार को ड्रॉ पर समाप्त हुआ।

टॉप सीड कार्लसन ने सफेद मोहरों से खेलते हुए मुकाबले की जिस तरह शुरुआत की उससे स्पष्ट हो गया कि वह ड्रॉ का प्रयास कर रहे हैं। मोहरों के लगातार आदान-प्रदान के साथ दोनों खिलाड़ियों ने 30 चालों के बाद ड्रॉ पर सहमति जताई। इससे पूर्व, प्रज्ञानंद ने मंगलवार को सफेद मोहरों से ड्रॉ खेला था।

अब विश्व कप के विजेता का फैसला गुरुवार को टाईब्रेकर में होगा, जहां ये खिलाड़ी 25 मिनट के दो रैपिड गेम खेलेंगे। शुरुआती दो रैपिड मुकाबलों में भी विजेता का फैसला न होने पर 10-10 मिनट के गेम खेले जायेंगे।

प्रज्ञानंद ने दूसरे राउंड के मुकाबले के बाद कहा, मैंने सोचा नहीं था कि वह (कार्लसन) आज इतनी जल्दी ड्रॉ के लिये खेलेंगे, लेकिन जब वह इस तरह खेलने लगे तो मुझे एहसास हुआ कि वह ड्रॉ करना चाहता है। मुझे भी इससे कोई दिक्कत नहीं थी। मैं भी थका हुआ महसूस कर रहा हूं। अब मैं कल अपना सब कुछ दे सकता हूं और उसके बाद आराम कर सकता हूं।

सिद्दरामैया ने कावेरी नदी के पानी के बंटवारे के लिए प्रस्ताव रखा

बेंगलूरु/भाषा। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरामैया ने तमिलनाडु के साथ कावेरी नदी जल बंटवारा विवाद के संबंध में राज्य और उसके किसानों के हितों की रक्षा के लिए सरकार की प्रतिबद्धता व्यक्त करते हुए बुधवार को जल बंटवारे के लिए एक फार्मूला तैयार करने पर जोर दिया। सिद्दरामैया ने मेकेदातु परियोजना को लागू करने की वकालत भी की, जिससे बारिश की कमी वाले वर्षों के दौरान जल बंटवारे से जुड़े मुद्दों का हल हो सकेगा। सिद्दरामैया ने कहा कि दक्षिण-पश्चिम मानसून की बारिश में कमी के बावजूद, कर्नाटक ने पीने के पानी और खड़ी फसलों के लिए अपनी आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए ही कावेरी नदी से तमिलनाडु के लिए पानी छोड़ा है।

मिजोरम में रेल पुल का गर्डर गिरने से 19 की मौत, जांच के आदेश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/एजल/वार्ता। रेल मंत्रालय ने मिजोरम की राजधानी एजल के पास सैरांग में बुधवार को एक निर्माणाधीन रेलवे ओवरब्रिज के गर्डर गिरने के मामले में उच्च स्तरीय जांच के आदेश दे दिये हैं। इस दुर्घटना में कम से कम 19 श्रमिकों की मौत की खबर है।

रेलवे बोर्ड के सूत्रों ने नई दिल्ली में बताया कि रेलवे पुल के निर्माण का ठेका जिस कंपनी को दिया गया था, उसकी कार्यप्रणाली की जांच के लिए एक तीन सदस्यीय समिति बनायी जा रही है जिसमें रेलवे के मुख्य अभियंता, आरडीएसओ के पुल निर्माण विशेषज्ञ और एक आईआईटी के विशेषज्ञ को शामिल किया जाएगा। सूत्रों ने कहा कि आमतौर पर पुल पर गर्डर लांच करते समय नीचे इतने मजदूर होते नहीं हैं। जांच से पता चलेगा कि आखिर वहां इतने मजदूर गर्डर के नीचे क्या कर रहे थे। सूत्रों ने 19 श्रमिकों के मारे जाने की पुष्टि की।

यह दुर्घटना होने पर दिन में सबसे पहले मुख्यमंत्री जोरमथांगा ने 'एक्स' (पूर्व में ट्विटर) पर यह जानकारी दी थी। श्री ज़ोरमथांगा ने कहा, आइजोल के पास सैरांग में निर्माणाधीन रेलवे ओवरब्रिज आज ढह गया जिसमें कम से कम 17 श्रमिकों की मौत हो गई। बचाव कार्य जारी है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने इस हादसे पर गहरा दुख व्यक्त करते हुए मृतक के निकट संबंधी को प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राहत कोष से दो लाख रुपये और घायलों को 50,000 रुपये की अनुग्रह राशि देने की भी घोषणा की।

कृत्रिम बुद्धिमत्ता में विश्वस्तरीय क्षमता विकसित करना आवश्यक

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पणजी/भाषा। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने उच्च शिक्षण संस्थानों में कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) और डेटा विज्ञान जैसे क्षेत्रों में विश्व स्तरीय क्षमता विकसित करने के महत्व को रेखांकित करते हुए बुधवार को कहा कि राष्ट्रीय नीति से कौशल विकास, उद्योग सम्पर्क और रोजगार के बीच सामंजस्य स्थापित करके समग्र शिक्षा को बढ़ावा दिया जा रहा है। मुर्मू ने गोवा के राजभवन में गोवा विश्वविद्यालय के 34 वें दीक्षांत समारोह को संबोधित करते हुए कहा, शिक्षा एक आजीवन प्रक्रिया है। निरंतर सीखने वाले, जीवन में अवसरों का लाभ उठाने के साथ-साथ चुनौतियों का सामना करने में भी सक्षम होंगे। उन्होंने कहा कि प्रौद्योगिकी और नवोन्मेष आज विश्व में प्रमुख भूमिका निभा रहे हैं तथा उन्हें इस बात की प्रसन्नता है कि गोवा विश्वविद्यालय नवोन्मेष को बढ़ावा दे रहा है। राष्ट्रपति ने कहा कि हमारे उच्च शिक्षण संस्थानों में कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) और डेटा विज्ञान जैसे क्षेत्रों में विश्व स्तरीय क्षमता विकसित करना आवश्यक है।

रूस में निजी विमान दुर्घटनाग्रस्त, 10 लोगों की मौत

यात्रियों की सूची में वैग्नर ग्रुप के प्रमुख शामिल

मॉस्को/एपी। मॉस्को से सेंट पीटर्सबर्ग जा रहा एक निजी विमान बुधवार को दुर्घटनाग्रस्त हो गया जिससे उसमें सवार सभी 10 लोगों की मौत हो गयी। रूस के आपात अधिकारियों ने बताया कि वैग्नर ग्रुप के प्रमुख येवगेनी प्रीगोझिन यात्रियों की सूची में शामिल थे लेकिन अभी यह स्पष्ट नहीं है कि क्या वह विमान में सवार थे या नहीं। अपुष्ट मीडिया खबरों में कहा गया है कि यह विमान निजी सैन्य कंपनी 'वैग्नर' के संस्थापक प्रीगोझिन का था। रूस के नागरिक विमानन नियामक 'रोसावियात्सिया' ने बताया कि प्रीगोझिन यात्री सूची में शामिल थे। हालांकि, अभी यह साफ नहीं है कि वह विमान में सवार हुए थे या नहीं।

ब्रिक्स देशों के बीच सहयोग बढ़ाने के लिए मोदी ने दिये पांच सुझाव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जोहान्सबर्ग/वार्ता। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने ब्रिक्स देशों के बीच सहयोग को अंतरिक्ष, शिक्षा, कौशल विकास, टेक्नोलॉजी, पारंपरिक चिकित्सा के क्षेत्रों में व्यापक बनाने का आह्वान किया और विश्वास जताया कि यह संगठन बाधाओं को तोड़ने, अर्थव्यवस्थाओं को पुनर्जीवित करने, नवाचार को प्रेरित करने, नये अवसर पैदा करने और भविष्य को आकार देने में अहम भूमिका निभाता रहेगा।

मोदी ने यहां पन्द्रहवें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन को संबोधित करते हुए यह आह्वान किया। प्रधानमंत्री ने कहा कि पिछले लगभग दो दशको में, ब्रिक्स ने एक बहुत ही लम्बी और शानदार यात्रा तय की है। इस यात्रा में हमने अनेक उपलब्धियां हासिल की हैं। हमारा न्यू डेवेलपमेंट बैंक ग्लोबल साउथ के देशों के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। आकस्मिकता रिजर्व व्यवस्था के माध्यम से हमने वित्तीय सुरक्षा चक्र का निर्माण किया है। ब्रिक्स कृत्रिम उपग्रह कोंस्टी-लेशन, वैक्सीन शोध एवं विकास केन्द्र, फार्मा उत्पादों को पारस्परिक मान्यता, जैसी पहलों से हम ब्रिक्स देशों के आम नागरिकों के जीवन में सकारात्मक बदलाव ला रहे हैं। यूथ समिट, ब्रिक्स गेम्स, थिंक टैंक्स काउंसिल जैसे पहलों से हम सभी देशों के बीच जनता के बीच संपर्क मज़बूत कर रहे हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि ब्रिक्स एजेंडा को एक नई दिशा देने के लिए भारत ने रेलवे रिसर्च नेटवर्क, एमएसएमई के बीच करीबी सहयोग, ऑनलाइन ब्रिक्स डेटाबेस, स्टार्टअप फोरम जैसे कुछ सुझाव रखे थे। ख़ुशी की बात है कि इन विषयों पर उल्लेखनीय प्रगति हुई है। उन्होंने ब्रिक्स देशों के करीबी सहयोग को और व्यापक बनाने के लिए कुछ सुझाव पेश किये। पहला है - अंतरिक्ष के क्षेत्र में सहयोग। उन्होंने कहा कि हम ब्रिक्स कृत्रिम उपग्रह कोंस्टी-लेशन पर पहले से काम कर रहे हैं। एक कदम आगे बढ़ाते हुए, हम ब्रिक्स अंतरिक्ष अन्वेषण कंसोर्टियम बनाने पर विचार कर सकते हैं। इसके अंतर्गत हम अंतरिक्ष अनुसंधान, मौसम निगरानी जैसे क्षेत्रों में वैश्विक कल्याण के लिए काम कर सकते हैं।

उन्होंने दूसरा सुझाव दिया - शिक्षा, कौशल विकास और टेक्नोलॉजी में सहयोग। उन्होंने कहा कि ब्रिक्स को एक फ्यूचर रेडी ऑर्गनाइज़ेशन बनाने के लिए हमें अपने समाजों को फ्यूचर रेडी यानी भविष्य के लिए तैयार बनाना होगा। इसमें टेक्नोलॉजी की अहम भूमिका रहेगी। उन्होंने बताया कि भारत में हमने दूर-सुदूर तथा ग्रामीण क्षेत्रों के बच्चों तक शिक्षा पहुँचाने के लिए दीक्षा यानि ज्ञान साझा करने के लिए डिजिटल बुनियादी ढांचा, प्लेटफार्म बनाया है। साथ ही स्कूल के विद्यार्थियों के बीच इनोवेशन को बढ़ावा देने के लिए हमने देश भर में दस हज़ार अटल टिंकरिंग प्रयोगशालाएं बनाई हैं।

चंद्रयान-3 की सफलता के लिए नड्डा ने वैज्ञानिकों की क्षमता, प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व की सराहना की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के अध्यक्ष जे पी नड्डा ने चंद्रयान–3 की चंद्रमा पर सफल लैंडिंग के लिए भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के वैज्ञानिकों के साथ ही प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व की सराहना की ओर जोर देकर कहा कि दुनिया अब भारत को अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में एक शक्ति के रूप में पहचान रही है। उन्होंने कहा कि भारत, मोदी के नेतृत्व में सफलता की नई उपलब्धियां रच रहा है और अपनी एक विशिष्ट पहचान बना रहा है। उन्होंने इस अभियान की सफलता को 'आत्मनिर्भर भारत' का सही मंत्र करार दिया।

नड्डा ने कहा कि मोदी के अथक प्रयासों और हमारे वैज्ञानिकों की अपार क्षमता के बिना सफलता संभव नहीं थी। उन्होंने कहा कि यह एक ऐतिहासिक और अभूतपूर्व उपलब्धि है। उन्होंने कहा, हम इस अविस्मरणीय क्षण के लिए प्रधानमंत्री मोदी की दिल से प्रशंसा करते हैं। भारत के अंतरिक्ष क्षेत्र को मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार द्वारा दिए गए प्रोत्साहन का उल्लेख करते हुए नड्डा ने कहा कि इसरो के कुल 89 उपग्रह प्रक्षेपण मिशनों में से 47 पिछले नौ साल के शासन के दौरान संचालित हुए। उन्होंने कहा कि किसी अन्य सरकार ने इतना कुछ नहीं किया है और मोदी सरकार के तहत जारी अभियानों की संख्या पिछली संप्रग सरकार की तुलना में दोगुनी है।

भाजपा अध्यक्ष ने देश के मंगल मिशन मंगलयान की सफलता का जिक्र करते हुए कहा कि भारत के अंतरिक्ष मिशन का बजट अमेरिका, रूस और चीन की तुलना में काफी अधिक किफायती है।

हमें मिले हुए संसाधनों का संभल कर उपयोग करना चाहिए : आचार्य अभयशेखरसूरी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

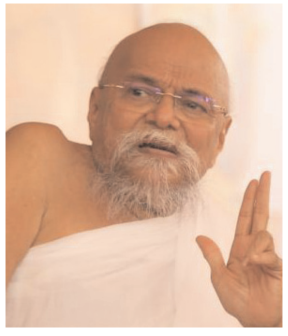

बेंगलूरु। शहर के वीवी पुरम स्थित संभवनाथ जैन मंदिर में चातुर्मासार्थ विराजित आचार्यश्री अभयशेखरसूरीश्वरजी ने अपने प्रवचन में कहा कि कुदरत ने हमें मानव जन्म दिया, उच्च कुल, जैन धर्म सब श्रेष्ठ दिया है लेकिन जब हम उसका दुरुपयोग करेंगे तो कुदरत हम से नाराज हो सकती है। हमारे जीवन में सब से ज्यादा हम चार चीजों का दुरुपयोग करते हैं 1. पैसा 2. वस्तु 3. व्यक्ति 4. समय। विचार करना चाहिए कि हमारे पास जो भी वस्तु है उसकी सही में आवश्यकताएं हैं या बर्बादी है। बिजली और पानी की आज के ज़माने में सबसे ज्यादा बर्बादी होती है, हमें इन को संभल कर उपयोग करना चाहिए। जो हकदार है उसे मिलता नहीं और हम बर्बाद करते हैं। हमारे परिवार के सदस्यों के लिए आज हमारे पास समय नहीं है। माता–पिता को समय देना हमारा कर्तव्य है।

चंद्रयान-3 की कामयाबी से रक्षा एवं वैमानिकी क्षेत्र के शेयरों ने भरी रफ्तार

नई दिल्ली/भाषा। चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर भारतीय अंतरिक्ष यान चंद्रयान–3 की सफल लैंडिंग की उम्मीद में विमान प्रौद्योगिकी और रक्षा क्षेत्र से संबंधित कंपनियों के शेयरों के प्रति बुधवार को निवेशकों का खासा रुझान देखा गया। चंद्रयान–3 का लैंडर 'विक्रम' और रोवर 'प्रज्ञान' से लैस लैंडर मॉड्यूल चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर 'सॉफ्ट लैंडिग' करने में सफल रहा। भारत ऐसी उपलब्धि पाने वाला पहला देश है। बुधवार को चंद्रयान मिशन को लेकर शेयर बाजार में भी गहमागहमी देखी गई और विमान, अंतरिक्ष एवं रक्षा क्षेत्र से संबंधित कंपनियों के प्रति निवेशकों का उत्साह देखने को मिला। इनमें चंद्रयान–3 अभियान में 200 से भी अधिक कलपुर्जों की आपूर्ति करने वाली कंपनी सेंटम इलेक्ट्रॉनिक्स भी शामिल है।

बीएसई पर सेंटम इलेक्ट्रॉनिक्स का शेयर 14.91 प्रतिशत तक उछल गया जबकि पारस डिफेंस एंड स्पेस टेक्नोलॉजीज लिमिटेड के शेयर में 5.47 प्रतिशत की तेजी दर्ज की गई। इसी तरह एमटीएआर टेक्नोलॉजीज में 4.84 प्रतिशत और हिंदुस्तान एरोनॉटिक्स लिमिटेड के शेयर में 3.57 प्रतिशत की तेजी देखी गई।

रक्षा क्षेत्र से जुड़ी कंपनी भारत फोर्ज का शेयर 2.82 प्रतिशत, अस्त्रा माइक्रोवेव प्रोडक्ट्स में 1.72 प्रतिशत और लार्सन एंड टुब्रो में 1.42 प्रतिशत की वृद्धि हुई।

खास बात यह है कि इनमें से अधिकार कंपनियों के शेयर कारोबार के दौरान पिछले एक साल के उच्चतम स्तर पर पहुंच गए।

ऐतिहासिक उपलब्धि भारत के उत्थान का संकेत : उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने चंद्रयान की सफलता पर कहा

नई दिल्ली/भाषा। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने बुधवार को कहा कि चंद्रमा की सतह पर चंद्रयान–3 की सफल लैंडिंग भारत के उत्थान का संकेत देने वाली एक ऐतिहासिक उपलब्धि है।

इसरो ने बुधवार को अंतरिक्ष क्षेत्र में एक नया इतिहास रचते हुए चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर लैंडर 'विक्रम' और रोवर 'प्रज्ञान' से लैस लैंडर मॉड्यूल की 'सॉफ्ट लैंडिग' कराने में सफलता हासिल की। भारतीय समयानुसार शाम करीब छह बजकर चार मिनट पर यह चांद की सतह पर उतरा। इसके साथ ही भारत चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर 'सॉफ्ट लैंडिंग' करने वाला दुनिया का पहला देश तथा चांद की सतह पर 'सॉफ्ट लैंडिंग' करने वाला दुनिया का चौथा देश बन गया। चंद्रयान–3 की सफल लैंडिंग पर उपराष्ट्रपति कार्यालय ने धनखड़ के हवाले से 'एक्स' (पूर्व में ट्विटर) पर कहा, यह भारत के उत्थान का संकेत देने वाली एक ऐतिहासिक उपलब्धि है। इस मिशन से जुड़े सभी लोगों और देश के दूरदर्शी नेतृत्व को बधाई।

इंद्रियों के सदुपयोग में ही हमारा कल्याण निहित : साध्वी प्रीतिसुधा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के मागड़ी रोड स्थित सुमतिनाथ जैन श्वेतांबर संघ में चातुर्मासार्थ विराजित साध्वीश्री प्रियमंत्रान्जनाश्रीजी की निश्रा में प्रीतिसुधाश्रीजी ने कहा कि जिसनें इंद्रियों पर विजय प्राप्त कर ली है वह संसार से तीर गए और जो इंद्रियों के गुलाम है वह संसार में भटक रहे हैं। जो एक–एक इंद्रियों में भी आसक्त है उनकी भी दुर्दशा हो जाती है तो फिर पांच इंद्रियों में जो आशक्त है उनकी क्या दशा हो सकती है वह ज्ञानी जानते हैं। स्पर्शनेन्द्रिय के विषय में व्यक्ति इतना सावधान है कि कपड़े खरीदते समय, घर का आंगन, आभूषण, अपने लिए अच्छा हो वैसा पसंद करता है। हमें कोमल स्पर्श पसंद है। हमारा ध्यान पूरे दिन इंद्रियों की अनुकूलता की तरफ जाता है। रसना पर काबू नहीं तो तबीयत खराब हो सकती है जिसने रसना को जीत लिया उसने सब को जीत लिया। घ्राणेन्द्रिय को सुगंध पसंद है, दुर्गंध नहीं। चक्षुरिन्द्रीय का अश्लील दृश्य देखने में, गलत दृश्य देखने में दुरुपयोग नहीं करना है। स्पर्श का सही उपयोग किसी अशक्त व्यक्ति को सहायक बनने में हो। रसना का सही उपयोग खाने और बोलने में विवेक रखना, आंखों से सदसाहित्य का वाचन करना और कान से जिनवाणी श्रवण करके सदुपयोग कर सकते हैं ।

रिलायंस रिटेल में 8,278 करोड़ रु. का निवेश करेगा कतर निवेश प्राधिकरण

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। रिलायंस इंडस्ट्रीज की खुदरा इकाई रिलायंस रिटेल वेंचर्स लिमिटेड (आरआरवीएल) में कतर का सरकारी निवेश कोष क्यूआईए अपनी पूर्ण–स्वामित्व वाली अनुषंगी के जरिये 8,278 करोड़ रुपये का निवेश करेगा। रिलायंस इंडस्ट्रीज ने बुधवार को शेयर बाजार को दी गई सूचना में कहा कि आरआरवीएल में कतर निवेश प्राधिकरण (क्यूआईए) के इस निवेश का मूल्य 8,278 करोड़ रुपये है।

कंपनी ने कहा, इस निवेश से क्यूआईए को आरआवीएल में 0.99 प्रतिशत की अल्पांश इक्विटी हिस्सेदारी हासिल होगी। आरआरवीएल अपनी कई अनुषंगियों एवं सहयोगी कंपनियों के जरिये भारत का सबसे बड़ा खुदरा कारोबार संचालित करती है। इसके देश भर में 18,500 से भी अधिक स्टोर हैं। आरआरवीएल की निदेशक ईशा अंबानी ने कहा, हम रिलायंस रिटेल वेंचर्स में एक निवेशक के तौर पर क्यूआईए का स्वागत करते हैं। हम आरआरवीएल को एक विश्वस्तरीय संस्थान बनाने के क्रम में क्यूआईए के वैश्विक अनुभव और मूल्य सृजन में उसके मजबूत रिकॉर्ड से लाभान्वित होना चाहते हैं।

गगनयान अभियान में पूर्व नौसेना अधिकारी अभिलाष टॉमी इसरो की करेंगे मदद

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोच्चि (केरल)/भाषा। पूर्व नौसेना अधिकारी और जहाज से अकेले पूरी दुनिया की यात्रा करने वाले केरल के नाविक एवं कमांडर अभिलाष टॉमी भारत के पहले मानवयुक्त अंतरिक्ष अभियान 'गगनयान' के संबंध में भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) की मदद करेंगे। टॉमी एकल नौकायान के क्षेत्र में प्रतिष्ठित 'गोल्डन ग्लोब रेस 2022' में दूसरे स्थान पर रहे थे।

टॉमी ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' (पूर्व में ट्विटर) पर इसकी घोषणा की। उन्होंने कहा कि वह 'गगनयान' के संबंध में अंतरिक्ष यात्रा पर इसरो के साथ विचार विमर्श कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि इसके अलावा वह अपने अगले नौकायान प्रयास को लेकर भारतीय नौसेना के साथ काम कर रहे हैं। उन्होंने 'एक्स' पर पोस्ट किया, मैं अपने अगले नौकायान प्रयास को लेकर नौसेना के साथ काम करूंगा। इसके अलावा मैं भारत के पहले मानवयुक्त अंतरिक्ष अभियान में इसरो की मदद करूंगा। उन्होंने ट्वीट किया, एकसाथ समुद्र और अंतरिक्ष यात्रा (गगनयान) के लिए सलाह लिए जाने को लेकर रोमांचित हूं। दोनों मेरे दिल के बेहद करीब है। सच में, रोमांचक यात्रा का अनूठा अनुभव होता है। 'गगनयान' इसरो की एक महत्वाकांक्षी मानयुक्त अंतरिक्ष यात्रा परियोजना है जिसमें तीन सदस्यों के एक दल को तीन दिन तक 400 किलोमीटर की कक्षा में ले जाकर और समुद्र में उतारकर सुरक्षित रूप से धरती पर वापस लाने की क्षमता के प्रदर्शन की परिकल्पना की गई है।

गोवा: राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने आदिवासी वनवासी को संपत्ति के स्वामित्व के दस्तावेज सौंपे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पणजी/भाषा। गोवा के आदिवासी वनवासी भैरो काले (80) को कई दशक के संघर्ष के बाद एक संपत्ति के स्वामित्व के दस्तावेज प्राप्त हुए, जो उन्हें अपने पूर्वजों से विरासत में मिली थी।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने यहां के डोना पाउला स्थित राजभवन में एक नागरिक स्वागत समारोह के दौरान काले को दस्तावेज सौंपे, जिससे धरदंडोरा तालुका के मैपलान गांव में स्थित अपनी जमीन के मालिक होने का उनका सपना मंगलवार को सच हो गया।

राष्ट्रपति मंगलवार से गोवा की तीन दिवसीय यात्रा पर हैं। उन्होंने राज्य के राज्यपाल पीएस श्रीधरन पिल्लई और मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत की मौजूदगी में वन अधिकार अधिनियम (एफआरए) के तहत छह आदिवासियों को भूमि सनद (भूमि संबंधी अधिकारों के दस्तावेज) वितरित किये। ये आदिवासी अपने अपने गांवों का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं।

राज्य आदिवासी कल्याण विभाग ने हाल ही में एफआरए के तहत वनवासियों के दावे निपटाने के लिए एक विशेष अभियान शुरू किया है।

मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत ने पिछले साल नवंबर में आश्वासन दिया था कि राज्य सरकार अपना कार्यकाल समाप्त होने से पहले एफआरए के तहत आदिवासी समुदाय के लोगों के सभी पात्र मामलों का निपटारा करेगी। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नीत राज्य सरकार का कार्यकाल 2027 में समाप्त होगा।

मुख्यमंत्री सावंत ने कहा था कि उनकी सरकार तटीय राज्य में एफआरए से संबंधित मामलों को तेजी से निपटा रही है।

छत्तीसगढ़ में चुनावी दौड़ से बाहर हो चुकी भाजपा ईडी का इस्तेमाल कर रही : कांग्रेस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस ने छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के कुछ करीबियों के खिलाफ प्रवर्तन निदेशालय की छापेमारी के बाद बुधवार को आरोप लगाया कि प्रदेश में चुनावी दौड़ से पूरी तरह बाहर हो चुकी भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) अब डराने–धमकाने के लिए इस तरह के हथकंडे अपना रही है।

पार्टी के संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री के स्टाफ सदस्यों पर ईडी छापे की कड़ी निंदा करते हैं। भूपेश बघेल जी आगामी चुनाव की दौड़ से पूरी तरह बाहर हो चुकी भारतीय जनता पार्टी कांग्रेस को डराने–धमकाने के लिए अपने गंदे हथकंडे अपना रही है।

उन्होंने कहा, हमें 3 करोड़ छत्तीसगढ़ियों का समर्थन प्राप्त है और इस तरह की घटिया रणनीतियां हमें प्रभावित नहीं करेंगी, लेकिन वे केवल भाजपा की हताशा को दर्शाती हैं।

कांग्रेस के मीडिया विभाग के प्रमुख पवन खेड़ा ने सोशल नेटवर्किंग मंच 'एक्स' पर पोस्ट किया, छत्तीसगढ़ में आज की जा रही ईडी की छापेमारी हार से घबराई हुई भारतीय जनता पार्टी करवा रही है। इसकी वजह है यह है कि पिछले कुछ दिनों में कई सर्वेक्षण में भाजपा की भारी हार दिखाई जा रही है। उन्होंने कहा, कांग्रेस की सरकार के पीछे छत्तीसगढ़ की जनता की ताक़त है। हमें डराया नहीं जा सकता।

छत्तीसगढ़ में प्रवर्तन निदेशालय के दल ने मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के राजनीतिक सलाहकार विनोद वर्मा और मुख्यमंत्री के ओएसडी तथा कारोबारी के यहां छापे की कार्रवाई की है। अधिकारियों ने बुधवार को यह जानकारी दी। मुख्यमंत्री बघेल ने इसे अपने जन्मदिन का तोहफा करार देते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और गृहमंत्री अमित शाह को धन्यवाद दिया है।

कोल इंडिया के चेयरमैन ने कहा, देश में कोयले का पर्याप्त भंडार, बढ़ी मांग को पूरा करने के लिए तैयार

कोलाकाता/भाषा। सार्वजनिक क्षेत्र की कोल इंडिया लिमिटेड (सीआईएल) के चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक पी एम प्रसाद ने बुधवार को कहा कि देश में कोयले का पर्याप्त भंडार मौजूद है और मांग में अचानक तेजी आने की स्थिति से निपटने के लिए कंपनी तैयार है। प्रसाद ने सीआईएल के शेयरधारकों की 49वीं सालाना आमसभा को संबोधित करते हुए कहा कि कंपनी अपनी उत्पादन क्षमता बढ़ाने के लिए कई तरह के कदम उठा रही है। इनमें नई खदानों का विकास और मौजूदा खदानों की क्षमता का विस्तार करना भी शामिल है। उन्होंने कहा, सीआईएल देश में कोयले की बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए प्रतिबद्ध है और वह मांग में अचानक उछाल आने पर भी स्थिति से निपटने के लिए तैयार है।

देशभर में बिजली की मांग बढ़ने के बीच कोयला मंत्रालय ने एक दिन पहले ही देश में उपलब्ध कोयला भंडार की समीक्षा की। कोयला मंत्री प्रह्लाद जोशी ने कहा है कि देश में समुचित कोयला भंडार मौजूद है और कोल इंडिया एवं तापीय बिजली संयंत्रों के पास करीब आठ करोड़ टन कोयला रखा हुआ है। प्रसाद ने कहा कि कोल इंडिया ने वित्त वर्ष 2022–23 में 70.32 करोड़ टन कोयले का रिकॉर्ड उत्पादन किया था और चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में वृद्धि का सिलसिला कायम रहा है।

हम जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद को रोकने नहीं बल्कि खत्म करने के प्रयास कर रहे : डीजीपी

जम्मू/भाषा। जम्मू–कश्मीर के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) दिलबाग सिंह ने बुधवार को कहा कि इस साल सीमा पर पाकिस्तान की ओर से किए गए घुसपैठ के 99 प्रतिशत प्रयास विफल कर दिए गए। उन्होंने कहा कि सुरक्षा एजेंसियां पूरी तरह से सतर्क हैं और आतंकवाद को रोकने के बजाय उसे खत्म करने के लिए काम कर रही हैं। डीजीपी ने कहा कि आतंकवादियों को आगे बढ़ाने और हथियारों व नशीले पदार्थों की तस्करी के पाकिस्तान के किसी भी प्रयास को विफल करने के लिए सीमा सुरक्षा ग्रिड नए तत्वों के साथ पहले से कहीं अधिक मजबूत है।

महिला आरक्षण मेरी घरेलू समस्या नहीं, यह 70 करोड़ महिलाओं का मुद्दा है : बीआरएस नेता कविता

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हैदराबाद/भाषा। आगामी विधानसभा चुनावों में तेलंगाना में सत्तारूढ़ बीआरएस द्वारा महिलाओं को टिकट आवंटन को लेकर विपक्ष की टिप्पणियों को खारिज करते हुए, विधान परिषद सदस्य (एमएलसी) के कविता ने बुधवार को कहा कि महिला आरक्षण का मुद्दा उनकी घरेलू समस्या नहीं है, बल्कि यह देश की 70 करोड़ महिलाओं से संबद्ध है।

कविता ने यहां संवाददाताओं को संबोधित करते हुए कांग्रेस और भाजपा दोनों की आलोचना की तथा कहा कि दोनों दलों ने महिला आरक्षण विधेयक को नजरअंदाज कर दिया है।

उन्होंने कहा कि यह विधेयक 2010 में राज्यसभा में पारित हो गया था, लेकिन भाजपा के चुनाव घोषणापत्र में शामिल होने के बावजूद इसे अभी तक लोकसभा से मंजूरी नहीं मिली है।

केंद्रीय मंत्री और राज्य भारतीय जनता पार्टी अध्यक्ष जी किशन रेड्डी ने आगामी विधानसभा चुनावों के लिए टिकटों के वितरण में महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण नहीं देने को लेकर मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव नीत बीआरएस को आड़े हाथ लिया था।

इस साल मार्च में कविता ने महिला आरक्षण के मुद्दे पर राष्ट्रीय राजधानी में अनशन किया था।

कविता ने कहा मैं हर राजनीतिक दल से अनुरोध करती हूं कि यह मेरी घरेलू समस्या नहीं है। यह महिलाओं की समस्या है। यह देश की 70 करोड़ महिलाओं की समस्या है... हम गर्व से कहते हैं कि महिलाएं अंतरिक्ष में भी जा रही हैं। लेकिन अगर आप हमारी संसद में देखें, तो वहां केवल 4.5 प्रतिशत महिला प्रतिनिधि थीं, और अब 12.5 प्रतिशत हैं। हमने 75 वर्षों में जो उपलब्धि हासिल की है, वह मात्र आठ प्रतिशत का सुधार है।

केंद्र की पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार और वर्तमान भारतीय जनता पार्टी सरकार को आड़े हाथ लेते हुए कविता ने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू के मंत्रिमंडल में केवल एक महिला कैबिनेट मंत्री थी, और वर्तमान में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की सरकार में केवल दो महिला सदस्य हैं।

उन्होंने जानना चाहा कि क्या देश को इस बात पर खुश होना चाहिए कि कैबिनेट में महिलाओं के प्रतिनिधित्व में 50 प्रतिशत की वृद्धि हुई है या इस बात पर नाखुश होना चाहिए कि कैबिनेट में केवल दो महिला सदस्य हैं।

राजग सरकार की 'गंभीरता' की ओर इशारा करते हुए उन्होंने कहा कि महिला आरक्षण पर केंद्र ने न तो कोई मसौदा विधेयक तैयार किया है और न ही अन्य दलों के साथ कोई चर्चा की है। उन्होंने कहा, लोग यह सब देख रहे हैं। महिलाएं उन्हें सबक सिखाएंगी।

भारत में वयस्कों के टीकाकरण के प्रति खास रुचि नहीं : सर्वेक्षण

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारत में 50 वर्ष और उससे अधिक आयु के केवल 16 प्रतिशत लोगों ने वयस्कों के लिए बने टीके लगवाए हैं, हालांकि इस आयु वर्ग के 71 प्रतिशत लोगों को इसके बारे में पता है। एक सर्वेक्षण के अनुसार अधिकतर चिकित्सकों ने वयस्कों के कम टीके लगवाने के लिए औपचारिक दिशानिर्देशों की कमी को प्रमुख कारण बताया है।

यह सर्वेक्षण हाल ही में 'एसोसिएशन ऑफ फिजिशियन इन इंडिया' (एपीआई) और वैश्विक बाजार अनुसंधान और पोलिंग संस्थान 'इप्सोस' द्वारा 16 शहरों में 50 वर्ष और उससे अधिक उम्र के लोगों, उनकी देखभाल करने वालों और चिकित्सकों के बीच किया गया था। उन्होंने कहा कि इससे ठोस जानकारी मिली कि भारत में वयस्कों के टीकाकरण को इतने कम स्तर पर क्यों अपनाया गया है। यह सर्वेक्षण फरवरी से मार्च 2023 के बीच 50 साल से अधिक उम्र के 1950 वयस्कों, देखभाल करने वाले 409 लोगों और 30 चिकित्सकों के बीच किया गया। सर्वेक्षण से पता चलता है कि 50 वर्ष और उससे अधिक आयु के 71% लोग वयस्कों के टीकाकरण के बारे में जानते हैं, लेकिन केवल 16 प्रतिशत ने ऐसा कोई टीका लगवाया है। मरीजों और डॉक्टरों ने कम टीकाकरण के लिए अलग–अलग कारण बताए हैं। सर्वे में शामिल नब्बे प्रतिशत चिकित्सकों ने कहा कि औपचारिक दिशानिर्देश नहीं होने की वजह से लोगों की टीकाकरण में कम रुचि है। डॉक्टर अपने रोगियों के साथ वयस्कों के टीकाकरण के बारे में बात करने से बचते भी हैं क्योंकि उनके पास समय की कमी रहती है और उन्हें लगता है कि कीमत की वजह से भी लोग टीके नहीं लगवाएंगे। इसके अलावा उनका ध्यान रोग की रोकथाम के बजाय इलाज पर होता है।

सिद्दरामैया ने चंद्रयान 3 की सफलता पर इसरो चेयरमैन को फोन पर बधाई दी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। चंद्रयान 3 की सफलता पर मुख्यमंत्री सिद्दरामैया ने इसरो चेयरमैन सोमनाथ को फोन पर बधाई दी। इस पर मुख्यमंत्री की प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि भारत ने विक्रम लैंडर को चंद्रमा की सतह पर उतारकर एक ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की है। चंद्रयान 3 प्रोजेक्ट कई सालों से भारत का सपना रहा है। इसरो के वैज्ञानिकों ने हर भारतीय का सपना पूरा कर दिया है।

देश के पहले प्रधान मंत्री जवाहरलाल नेहरू को याद करना हमारा कर्तव्य है, जिन्होंने अंतरिक्ष विज्ञान के शुरुआती दिनों में समर्थन और मदद की थी। देश के वैज्ञानिकों के निरंतर प्रयास, दशकों की मेहनत आज रंग लायी है। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन द्वारा चंद्रयान 3 चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर सफलतापूर्वक उतर गया है। यह सभी भारतीयों के लिए गर्व का क्षण है। यह असाधारण उपलब्धि हासिल करने वाले सभी वैज्ञानिकों को बधाई। अंतरिक्ष के क्षेत्र में भारत एक बार फिर दुनिया के अग्रणी देशों में चमका है। मैं इसरो को उसके भविष्य के प्रयासों के लिए शुभकामनाएं देता हूं।

राज्यपाल थावरचन्द गहलोत ने भी सोशल मीडिया 'एक्स' पर अपनी शुभकामनाएं देते हुए लिखा है कि 'चन्द्रयान 3 की चन्द्रमा पर सफल लैंडिंग के शुभ समाचार सुनकर मन प्रसन्न है। इस अभियान से जुड़े प्रत्येक व्यक्ति और इसरो के सभी वैज्ञानिकों को धन्यवाद और बधाई। इस मिशन की सफलता से देश गौरवान्वित हुआ है तथा अतंरिक्ष के क्षेत्र में देश का नाम स्वर्णिम अक्षरों में दर्ज हुआ है।'

वहीं पूर्व मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई ने भी चन्द्रयान 3 की सफलता की शुभकामनाएं दी हैं।

उन्होंने कहा कि भारत विश्व में चौथा देश बन गया जब चन्द्रमा पर यशस्वी पूर्वक अपना चन्द्रयान उतार दिया है वहीं चन्द्रमा के दक्षिणी क्षेत्र में चन्द्रयान उतारने वाला पहला राष्ट्र बन गया है। इसके पीछे वर्षों से भारतीय वैज्ञानिकों का श्रम लगा हुआ है। उन्होंने सभी को हृदयपूर्वक अभिनन्दन किया। कर्नाटक के लिए यह गर्व की बात है। बेंगलूरु में इसरो का मुख्यालय है जो गौरव की बात है।

इसरो प्रमुख ने चंद्रयान-3 की सफलता का श्रेय टीम को दिया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन(इसरो) के प्रमुख एस सोमनाथ ने बुधवार को चंद्रयान -3 की सफलता के लिए अपनी टीम के वैज्ञानिकों को श्रेय दिया और देश के नागरिकों को बधाई दी। चंद्रयान -3 चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर सफलतापूर्वक उतरकर ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल करने वाला पहला देश बन गया है। डॉ. सोमनाथ ने देश के लोगों को बधाई देते हुए चंद्रयान -3 के लैंडर विक्रम की चंद्रमा पर सुरक्षित और सॉफ्ट लैंडिंग पर कहा, चंद्रमा पर हैं भारतीय' भारत चंद्रमा पर है।'

विक्रम की सफल लैंडिंग पर बेंगलुरु स्थित इसरो मुख्यालय के अधिकारियों ने तालियां बजाईं और एक दूसरे को बधाई दी। दक्षिण अफ्रीका के जोहान्सबर्ग में 15वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में भाग लेने गये प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने चंद्रयान -3 की लैंडिंग का सीधा प्रसारण देखा। जैसे ही चंद्रयान 3 चन्द्रमा की सतह पर उतरा उन्होंने बड़ी मुस्कान के साथ तिरंगा लहराया। भारत चंद्रमा की सतह पर सफलतापूर्वक उतरने वाला अमेरिका ,रूस और चीन के बाद चौथा देश बन गया है। सबसे बड़ी सफलता यह है कि भारत चांद दक्षिणी ध्रुव पर उतरने वाला पहला देश बन गया है जो इतिहास के पन्नों में स्वर्णीम अक्षरों में दर्ज हो जायेगा।

राज्यपाल ने तिरुमला वेंकटेश्वर और वेल्लूरु नारायणी देवी के दर्शन किए

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक के राज्यपाल थावर चंद गहलोत ने आंध्र प्रदेश के चित्तूर जिले के तिरुपति में तिरुमाला वेंकटेश्वर सन्निधि का दौरा किया, भगवान वेंकटेश्वर के दर्शन किए और विशेष पूजा की। तिरुपति थिमप्पा के दर्शन करने पहुंचे माननीय राज्यपाल ने कहा कि उन्होंने देश में सुख, समृद्धि और शांति के लिए प्रार्थना की और देश का नाम पूरी दुनिया में फैलाया। तिरुमाला तिरुपति मंदिर बोर्ड (टीटीडी) के अधिकारियों और पुजारियों ने राज्यपाल का स्वागत किया। पूजा के बाद रंगनायकुला मंडपम में राज्यपाल को श्रीवारी वस्त्र भेंट कर सम्मानित किया गया। बाद में मंदिर द्वारा थिमप्पा स्वामी प्रसाद को राज्यपाल को प्रस्तुत किया गया।

राज्यपाल कल रात बेंगलूरु से सड़क मार्ग से तिरुमाला पहाड़ी पहुंचे थे। रात भर रुकने के बाद, सुबह उन्होंने मंदिर के दर्शन किए। वापसी में लौटते समय राज्यपाल ने वेल्लोर के

श्रीरामपुर स्वर्ण मंदिर का दौरा किया और विशेष पूजा की। यहां राज्यपाल ने श्री नारायणी देवी के दर्शन किए और विशेष पूजा की। मंदिर में कुछ मिनट प्रार्थना कर समय बिताया। श्री नारायणी पीठ की संस्थापक और पीठासीन अधिकारी श्री शक्ति अम्मा ने उन्हें आशीर्वाद दिया। श्री शक्ति अम्मा ने राज्यपाल का अभिनंदन किया। इस मौके पर श्रीपुरम् के ट्रस्टी एवं निदेशक सुरेश बाबू, श्रीनारायणी पीठम के ट्रस्टी सुंदरराजन, प्रबंधक संपत, भास्कर और मंदिर प्रबंधन बोर्ड के अन्य सदस्य जैसे गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

सबसे बड़ी श्री रामन्जनेय की 63 फीट की प्रतिमा का शिलान्यास

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। यहां राजाजीनगर विधानसभा क्षेत्र में श्रीराम सेवा बोर्ड राजाजीनगर द्वारा 63 फीट ऊंची श्री रामंजनेय की विशाल प्रतिमा के लिए शिलान्यास कार्यक्रम राममंदिर परिसर में किया गया। हरिहरपुर मठ के श्री स्वयंप्रकाश सच्चिदानंद सरस्वती महास्वामी और सिद्धगंगा मठ के प्रमुख मठाधीश श्री सिद्धलिंग महास्वामीजी ने अमृत हाथों से आधारशिला रखी। मुख्य अतिथि के रूप में सहकारिता विभाग के महासचिव मंजूनाथ प्रसाद, रश्मी रविकिरण, सामाजिक कार्यकर्ता एच.एम. कृष्णमूर्ति, श्री राम सेवा बोर्ड के अध्यक्ष केएस श्रीधर आदि उपस्थित थे।

श्रीश्री स्वयंप्रकाश सच्चिदानंद सरस्वती महास्वामी ने कहा कि भगवान श्रीरामचन्द्र भारत की पहचान हैं। लाखों वर्षों से भगवान श्री रामचन्द्र का आदर्श सभी के हृदय में है। श्री राम अर्थात सभी दिव्य गुणों से युक्त मूर्ति, भारत देश महान, हमारी सुंदर कल्पना हो अर्थात हम श्री रामराज का सपना देखें। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी ने कई बार कहा था कि एक यूटोपिया होना चाहिए। राम धर्म के प्रतीकात्मक धर्म का अर्थ है सत्य बोलना, समानता, परोपकार, दया और क्षमा के साथ जीना जब एक साथ मिल जाए तो श्री राम बन जाता है। जब श्री राम सबके हृदय में हों तो व्यक्ति सुख और शांति से रह सकता है। श्रीश्री सिद्धलिंग स्वामीजी ने कहा कि मनुष्य को सिद्धांतों और सिद्धांतों के अनुसार जीना चाहिए अर्थात श्री राम के आदर्शों की जय होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि विज्ञान और ज्ञान कितना भी विकसित हो गया हो, ईश्वर की कृपा अवश्य होगी। इस मौके पर सावित्री सुरेश कुमार, पूर्व नगर निगम सदस्य मोहन कुमार, जयरत्न, दीपा नागेश उपस्थित थे।

चंद्रयान-3 मिशन की सफलता के लिए कर्नाटक भर में विशेष प्रार्थनाएं

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। चंद्रयान-3 मिशन की सफलता को लेकर कर्नाटक के लोगों ने बुधवार को मंदिरों में विशेष पूजा-अर्चना की। आम लोगों सहित नेताओं ने भी विशेष प्रार्थना की। राज्य के रायचूर शहर के एनआईजी कॉलोनी में काशी विश्वनाथ मंदिर में 20 से अधिक बच्चों ने शिवलिंग का 'पंचामृत अभिषेक' किया। बच्चों ने भगवान के समक्ष स्तोत्र का पाठ किया और भारत के लिए चंद्रयान-3 मिशन की सफलता को लेकर ईश्वर से प्रार्थना की। बच्चों ने बताया कि हमने मिशन की सफलता के लिए भगवान को दूध अर्पित किया है। हमने श्लोक पढ़े और भजन गाए। 1008 श्रीशैल मठाधीश डॉ. चन्नासिद्धाराम पंडिताराध्य शिवाचार्य स्वामीजी ने चंद्रयान-3 मिशन की सफलता के लिए भगवान श्रीशैल मल्लिकार्जुन से विशेष प्रार्थना की। उन्होंने कहा कि पिछली बार मिशन सफल नहीं हो सका मगर भगवान के आशीर्वाद से चंद्रयान-3 मिशन सफल होगा। उन्होंने भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के वैज्ञानिकों को शुभकामनाएं देते हुए उनकी सफलता की भी कामना की।

भाजपा विधायक टी.एस. श्रीवत्स के नेतृत्व में 82 लोगों की एक टीम ने चंद्रयान - 3 मिशन की सफलता के लिए विशेष प्रार्थना की। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और वैज्ञानिकों के लिए नारे भी लगाए।

तमिलनाडु के बेटों ने ही नहीं, बल्कि इसकी मिट्टी ने भी मिशन में योगदान दिया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई/बेंगलूरु। दुनियाभर की निगाहें चंद्रमा पर भारत के चंद्रयान-3 की सॉफ्ट लैंडिंग पर टिकी हुईं हैं। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के इस अभियान को यहां तक पहुंचाने में तमिलनाडु के बेटों -पूर्व राष्ट्रपति डॉ एपीजे अब्दुल कलाम, चंद्रयान-2 के मिशन निदेशक मायिलसामी अन्नादुरई, चंद्रयान-3 के परियोजना निदेशक वीरमुथेवल पी का ही योगदान नहीं है बल्कि राज्य की माटी ने भी इसमें अहम योगदान दिया है।

राज्य की राजधानी चेन्नई से करीब 400 किलोमीटर दूर स्थित नामक्कल 2012 से चंद्रयान मिशन की क्षमताओं को जांचने के लिए इसरो को माटी उपलब्ध करा रहा है, क्योंकि इस जिले की जमीन चंद्रमा की सतह से मिलती जुलती है। इस प्रकार से इसरो को अपने लैंडर मॉड्यूल की क्षमताओं की जांच करने और इसमें सुधार लाने में मदद मिली है। अगर चंद्रयान-3 का लैंडर मॉड्यूल चंद्रमा में सॉफ्ट लैंडिंग के अपने लक्ष्य को हासिल कर लेता है तो इससे तमिलनाडु के खाते में एक और उपलब्धि जुड़ जाएगी।

तमिलनाडु ने इसरो के महत्वाकांक्षी चंद्रमा मिशन के परीक्षण के लिए तीसरी बार मिट्टी की आपूर्ति की है। पेरियार विश्वविद्यालय के भूविज्ञान विभाग के निदेशक प्रोफेसर एस अनबझगन ने बताया कि नामक्कल में प्रचुर मात्रा में मिट्टी उपलब्ध थी, ऐसे में जरूरत पड़ने पर इसरो ने इसका इस्तेमाल किया।

उन्होंने कहा, हम भूविज्ञान में शोध करते रहे हैं।

दक्षिण पश्चिम रेलवे

ई-निविदा सूचना सं: SBC-GSU-ENGG-2023-19

भारत के राष्ट्रपति की ओर से अधोहस्ताक्षरी निम्नलिखित कार्य के लिए ई-निविदाएं आमंत्रित करते हैं:

कार्य का नाम	अनुमानित लागत
बेंगलूरु छावनी - व्हाइटफील्ड चतुष्पथीकरण: 1) बैयप्पनहल्ली यार्ड में चै. 344886.750 पर मौजूदा फुट ओवर ब्रिज को विधिवत तोड़ना और चै. 344876.000 पर गैंगवे-1 और चै. 344795.000 पर गैंगवे-2 के साथ ब्रिज सं. 835बी फुट ओवर ब्रिज का पुनरनिर्माण कार्य। 2) बैयप्पनहल्ली यार्ड पर चै. 344487 पर गैंगवे के साथ फुट ओवर ब्रिदज का निर्माण, 3) बैयप्पनहल्ली यार्ड पर प्लॉटफार्म शेल्टर को तोड़ना और पुनरनिर्माण करना।	रु. 16,31,84,044.78

निविदाओं जमा करने की अंतिम तिथि: 05.09.2023, 15.00 बजे तक

विवरण के लिए लॉग ऑन करें www.ireps.gov.in में

मुख्य परियोजना प्रबंधक, गति शक्ती बेंगलूरु

PUB/317/AAD/PRB/SWR/2023-24

S.W.Railways SWRRLY SWRRLY

दक्षिण पश्चिम रेलवे

ई-निविदा सूचना सं: 32/MYS/2023
दिनांक: 18.08.2023

भारत के राष्ट्रपति की ओर से अधोहस्ताक्षरी निम्नलिखित कार्य के लिए ई-निविदाएं आमंत्रित करते हैं:

कार्य का नाम	अनुमानित लागत
उप कार्य - 1: चिक्कजाजूर - रायदुर्गा विभाग: मौजूदा 52 केजी/90 यूटीएस रेल्स को नई 60 केजी/100 यूटिएस रेल्स से टीआरआर (पी) कार्य - किमी. 1/000 - 34/000, किमी. 46/000 - 69/100, किमी. 86/000 - 91/500 - कुल लंबाई - 61.6 किमी. मौजूदा 60 केजी/90 यूटीएस रेल्स को नई 60 केजी/100 यूटिएस रेल्स से टीआरआर (पी) कार्य - किमी. 0/000 - 0/500, किमी. 34/000 - 46/000, किमी. 69/000 - 86/000 और किमी. 91/500 - 130/900 - कुल लंबाई - 68.80 किमी. उप कार्य - 2: चिक्कजाजूर - रायदुर्गा स्टेशनों के बीच थ्यू फिटिंग रिन्यूवल (टीएफआर) - किमी. 0/000 - 1/000, 10/800 - 10/900, 12/400 - 12/500, 13/350 - 13/500, 23/870 - 25/763, 33/988 - 34/135, 36/100 - 105/900 और 115/450 - 130/900 - कुल लंबाई - 88.60 किमी..	रु. 9,15,55,220/-

निविदाओं जमा करने की अंतिम तिथि: 11.09.2023, 11.00 बजे तक

विवरण के लिए लॉग ऑन करें www.ireps.gov.in में

वरिष्ठ विभागीय इंजीनियर / समन्वय मैसूरु

PUB/319/AAD/PRB/SWR/2023-24

S.W.Railways SWRRLY SWRRLY

राज्य के साहित्यकारों की जान को खतरा

मुख्यमंत्री ने उचित कार्रवाई का आश्वासन दिया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। यहां बुधवार को लेखकों के एक प्रतिनिधि मंडल ने मुख्यमंत्री सिद्दरामैया ने मुलाकात की और उन्हें देश और प्रदेश में जागरूकता फैला रहे लेखकों और कार्यकर्ताओं को मिल रहे धमकी भरे पत्र के मामले में उचित कार्रवाई करने का अनुरोध किया।

मुख्यमंत्री सिद्दरामैया ने वरिष्ठ साहित्यकारों लेखकों और कार्यकर्ताओं के प्रतिनिधियों से मुलाकात की और उन्हें आश्वासन दिला कि वह उचित कार्रवाई करेंगे।

वरिष्ठ लेखक डॉ. के मारुलासिद्दप्पा ने कहा कि कई लेखकों, साहित्यकारों को एक साल से अधिक समय से जान से मारने की धमकी भरे पत्र मिल रहे हैं। उन्होंने चिंता और शर्मिंदगी की स्थिति में रहने के कई मामलों का हवाला दिया।

सबसे ज्यादा धमकियां डॉ. वीरभद्रप्पा, डॉ. वसुंधरा भूपति, बंजगेरे जयप्रकाश को मिली हैं। अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता विहीन माहौल बना दिया गया है। यदि इसे गंभीरता से नहीं लिया गया तो एमएम कलबुर्गी ने चिंता व्यक्त की कि गौरी लंकेश को भी वही गति दी जाएगी। उन्होंने कहा कि धमकी भरे पत्रों से निपटने के लिए एक टीम का गठन किया गया है और एक अधिक प्रभावी और पेशेवर पुलिस टीम का गठन किया जाना चाहिए। उन्होंने अनुरोध किया कि सार्वजनिक विरोध प्रदर्शन को इंडिपेंडेंस पार्क तक ही सीमित रखा जाए और अन्यत्र विरोध प्रदर्शन पर प्रतिबंध हटा दिया जाए।

अब तक लगभग 15 धमकी पत्र प्राप्त हो चुके हैं। जब से यह सरकार आई है, तीन पत्र और आ चुके हैं। साहित्यकार डॉ.वसुंधरा भूपति ने कहा कि पत्र एक ही स्वर के साथ आए हैं।

राज्य शिक्षा नीति

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य की शिक्षा नीति बनाई जायेगी। राज्य सरकार राज्य के लिए उपयुक्त शिक्षा प्रणाली लागू करने के लिए काम कर रही है। चूंकि निजी क्षेत्र में नौकरी के अधिक अवसर हैं, इसलिए उनमें से अधिकांश अंग्रेजी माध्यम की ओर रुख करते हैं। मारुलासिद्दप्पा ने कहा कि इसके लिए बीच का रास्ता निकाला जाना चाहिए। बैठक में वरिष्ठ लेखक जैसे डॉ. के. मारुलासिद्दप्पा, प्रो. एस.जी. सिद्धारमैया, जनागेरे वेंकटरमैया, बंजगेरे जयप्रकाश, डॉ. वसुंधरा भूपति, डॉ. विजयम्मा, दिनेश अमीन मट्टू, रुद्रप्पा हनागवाडी, एल.एन. मुकुंदराज और कई अन्य लेखक उपस्थित थे।

भारत के चंद्रयान-3 मिशन में कौन कौन?

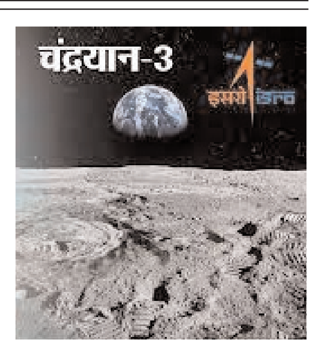

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। चंद्रयान-3 मिशन में कौन लोग हैं जिन्होंने इस मिशन को अंजाम दिया है। इस मिशन की मुख्य भूमिका में शामिल सभी लोग पुरुष हैं, जबकि चंद्रयान-2 मिशन में कई महिलाएं भी मुख्य भूमिका में थीं।

डॉ. एस. सोमनाथ, अध्यक्ष, इसरो

अधिकांश हिंदू नाम भगवान का प्रतीक होता है। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के अध्यक्ष एस. सोमनाथ के मामले में, नाम का अर्थ चंद्रमा का स्वामी है। संयोग से, बुधवार शाम को भारत के मून लैंडर को सफलतापूर्वक सॉफ्ट लैंडिंग करते देखना उनकी जिम्मेदारी है। एक युवा इंजीनियर के रूप में, सोमनाथ ने अपने दो वरिष्ठों के साथ ध्रुवीय उपग्रह प्रक्षेपण यान (पीएसएलवी) में एक विसंगति को ठीक किया, जो उड़ान के लिए तैयार था।

डॉ. एस. उन्नीकृष्णन नायर, निदेशक, विक्रम साराभाई अंतरिक्ष केंद्र

वह भारत के रॉकेट केंद्र विक्रम साराभाई अंतरिक्ष केंद्र (वीएसएससी) के प्रमुख एक प्रतिष्ठित वैज्ञानिक होने के साथ-साथ एक मलयालम लघु कथाकार भी हैं। डॉ. एस. उन्नीकृष्णन ने केरल विश्वविद्यालय से मैकेनिकल इंजीनियरिंग में बीटेक, भारतीय विज्ञान संस्थान, बेंगलूरु से एयरोस्पेस इंजीनियरिंग में एमई और भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान-मद्रास से मैकेनिकल इंजीनियरिंग में डॉक्टरेट की उपाधि प्राप्त की है।

उन्नीकृष्णन ने 1985 में वीएसएससी में अपना करियर शुरू किया और भारतीय रॉकेट - पीएसएलवी, जीएसएलवी और एलवीएम 3 के लिए विभिन्न एयरोस्पेस प्रणालियों और तंत्रों के विकास में शामिल थे। वह 2004 से मानव अंतरिक्ष उड़ान कार्यक्रम के अध्ययन चरण से जुड़े हुए थे और प्री-प्रोजेक्ट प्रौद्योगिकी विकास गतिविधियों के लिए परियोजना निदेशक थे।

इसरो में सबसे युवा केंद्र, मानव अंतरिक्ष उड़ान केंद्र (एचएसएफसी) के संस्थापक निदेशक के रूप में उन्नीकृष्णन ने गगनयान परियोजना के लिए टीम का नेतृत्व किया है और बेंगलूरु में एचएसएफसी में अंतरिक्ष यात्री प्रशिक्षण केंद्र की स्थापना की है।

यूनियन बैंक ऑफ इंडिया
भारत सरकार का उपक्रम
Union Bank of India
A Government of India Undertaking

सहयोग सेवाएँ विभाग, केन्द्रीय कार्यालय एनेक्स, मंगलादेवी मंदिर मार्ग, पाण्डेश्वर, मंगलूरु 575 001
दूर :-0824- 2861396 /786

केंद्रीय कार्यालय-एनेक्स, मंगलुरु के तहत छह (6) बैंक के भवनों पर ऑन-ग्रिड रूफ टॉप सौर संयंत्र की स्थापना के लिए खुली निविदा के माध्यम से सलाहकार की नियुक्ति के लिए निविदा ।

निविदा संदर्भ सं. केका/म-ए/एसएसडी/22/2023-24/सलाहकार दिनांक: 24/08/2023

यूनियन बैंक ऑफ इंडिया विषयान्तर्गत कार्य के लिए मुहरबंद बोलियां आमंत्रित करता है। पूर्ण विवरण एवं टेंडर के लिए कृपया बैंक की वेबसाइट **www.unionbankofindia.co.in** और सरकारी पोर्टल **www.eprocure.gov.in** पर लॉग इन करें। **बैंक के केंद्रीय कार्यालय एनेक्स, मंगलूरु में मुहरबंद बोलियां जमा करने की अंतिम तिथि 08.09.2023 को अपराह्न 3.00 बजे तक है।**

दिनांक: 24.08.2023 मुख्य प्रबंधक

चन्द्रयान-3 के साथ भारत ने अंतरिक्ष के क्षेत्र में बड़ी छलांग लगाई है : अनुराग ठाकुर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने बुधवार को कहा कि भारत ने अंतरिक्ष क्षेत्र में एक बड़ी छलांग लगाई है और आज चंद्रमा पर चन्द्रयान-3 की सॉफ्ट लैंडिंग के साथ एक बड़ा बदलाव आएगा। केन्द्रीय खेल एवं युवा मामलों के मंत्री ने यहां संवाददाताओं से कहा कि चन्द्रयान-3 की सफल लैंडिंग भारत को उन तीन-चार देशों के समूह में खड़ा कर देगा जिन्होंने अंतरिक्ष के क्षेत्र में महती योगदान दिया है। उन्होंने कहा, चन्द्रयान-3 के लिए अपनी शुभकामनाएं देने वाले 140 करोड़ भारतीयों में मैं भी (शामिल) हूं। भारत ने अंतरिक्ष क्षेत्र में एक लंबी छलांग लगाई है और हम सभी उस पल का इंतजार कर रहे हैं जब चन्द्रयान-3 सफलतापूर्वक लैंड करेगा।

ठाकुर ने कहा, अगर हम हाल के दिनों पर गौर करें तो, जबसे हमने अंतरिक्ष नीति में बदलाव किया गया और इसे निजी क्षेत्र के लिए खोला गया है, उसके बारह महीने के भीतर निजी क्षेत्र ने अपना रॉकेट लॉन्च किया और अपनी क्षमता का प्रदर्शन किया।

भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने बुधवार को कहा कि वह अपने महत्वाकांक्षी तीसरे चंद्रमा मिशन चन्द्रयान-3 के लैंडर मॉड्यूल (एलएम) को बुधवार शाम चंद्रमा की सतह पर उतारने के वास्ते 'ऑटोमैटिक लैंडिंग सीक्वेंस' (एएलएस) शुरू करने के लिए पूरी तरह से तैयार है।

कुछ वर्षों में देश में खेलों में बड़ा बदलाव आया : अनुराग ठाकुर

जयपुर। केंद्रीय खेल एवं युवा मामलों के मंत्री अनुराग ठाकुर ने बुधवार को कहा कि पिछले कुछ वर्षों में देश में खेलों में बड़ा बदलाव आया है और खेलों इंडिया ने इसमें बड़ी भूमिका निभाई है । उन्होंने कहा कि खेलो इंडिया ने खिलाड़ियों को उत्कृष्ट प्रदर्शन करने के लिए अनुकूल माहौल प्रदान किया है। उन्होंने कहा कि देश में महिला खिलाड़ी भी अच्छा प्रदर्शन कर रही हैं। ठाकुर जयपुर के सवाई मान सिंह स्टेडियम में 'खेलो इंडिया सेंटर' का उद्घाटन करने के बाद एक कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे।

मोदी सरकार के आने के बाद भारत दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बना : ठाकुर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। केन्द्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने बुधवार को कहा कि संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन (संप्रग) नीत पूर्ववर्ती केन्द्र सरकार के शासनकाल में भारत की अर्थव्यवस्था लड़खड़ा रही थी लेकिन केन्द्र में प्रधानमंत्री मोदी नीत सरकार बनने के बाद भारत दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है। केन्द्रीय मंत्री यहां बिड़ला सभागार में भाजपा के युवा प्रतिनिधि सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। केन्द्रीय खेल मंत्री ने युवाओं से आगामी विधानसभा चुनावों में पार्टी को वोट देने को कहा ताकि यहां 'डबल इंजन' सरकार बने और त्वरित विकास हो।

उन्होंने कहा, नौ साल पहले जब केन्द्र में मनमोहन सिंह नीत की सरकार थी तब अर्थव्यवस्था लड़खड़ा रही थी। भारत दुनिया की दसवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था थी। मोदी नीत सरकार के आने के बाद चारों तरफ विकास हुआ, सरकार ने ईमानदारी से काम किया, देश को कोरोना संकट से बाहर निकाला और देश को दसवीं से पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बना दिया।

केन्द्रीय मंत्री ने कहा कि कांग्रेस राज में बढ़ते अपराध और भ्रष्टाचार से राजस्थान की छवि खराब हुई है। उन्होंने गहलोत शासन को गह-लूट शासन भी कहा। उन्होंने कहा कि 'लड़की हूं लड़ सकती हूं' की बात करने वाली कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी, महिलाओं के खिलाफ अपराध होने पर राजस्थान नहीं आती हैं। उन्होंने कानून व्यवस्था, महिला अपराध, किसान कर्जमाफी तथा भ्रष्टाचार को लेकर राज्य की कांग्रेस नीत सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस के शासन में राजस्थान में भ्रष्टाचार चरम पर है, महिलाओं, दलितों के खिलाफ अपराध और सांप्रदायिक घटनाएं बढ़ी हैं और हर तीन में से एक युवा बेरोजगार है।

ठाकुर ने पार्टी के युवा प्रतिनिधियों से घर-घर जाकर पार्टी के लिए वोट मांगने को कहा ताकि इस साल के अंत में होने वाले विधानसभा चुनाव में राज्य में 'डबल इंजन' की सरकार बन सके। सम्मेलन में भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष सीपी जोशी और अन्य नेता भी मौजूद थे।

भूपेश बघेल को 'जन्मदिन को तोहफा' हैं छत्तीसगढ़ में ईडी के छापे : गहलोत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के कुछ करीबियों के खिलाफ प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की कार्रवाई पर राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने बुधवार को कहा कि यह कांग्रेस नेता को मिला 'जन्मदिन का तोहफा' है। गहलोत ने कहा कि जहां-जहां चुनाव होने हैं वहां-वहां छापे पड़ेंगे। उन्होंने पत्रकारों से कहा, वहां (छत्तीसगढ़ में) चुनाव आ रहे हैं (इसलिए छापे पड़ रहे हैं)। जहां-जहां चुनाव आएंगे वहां-वहां छापे पड़ते रहेंगे। आज भूपेश बघेल का जन्मदिन है... उनको जन्मदिवस का गिफ्ट (उपहार) दिया जा रहा है ईडी के द्वारा। मुख्यमंत्री बघेल का जन्मदिन 23 अगस्त को होता है। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की टीम ने छत्तीसगढ़ में मुख्यमंत्री बघेल के राजनीतिक सलाहकार विनोद वर्मा, मुख्यमंत्री के ओएसडी और कारोबारी के यहां छापा मारा।

गहलोत ने मुख्यमंत्री निवास से 887 करोड़ रुपये की लागत वाले मेडिकल कॉलेजों से संबंधित चिकित्सा संस्थानों में 32 कार्यों एवं तीन नर्सिंग कॉलेजों की इमारतों के निर्माण का शिलान्यास एवं 379 करोड़ रुपये की लागत से संपन्न 36 कार्यों का लोकार्पण किया। साथ ही राज्य के सभी सात संभागों में 7.15 करोड़ रुपये की लागत से कैंसर की जांच करने के लिए कैंसर निदान वैन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। गहलोत ने इस अवसर पर कहा, सार्वजनिक स्वास्थ्य के राजस्थान मॉडल की आज पूरे देश में सराहना हो रही है। राजस्थान एकमात्र राज्य है जहां स्वास्थ्य का अधिकार कानून बनाया गया है। राज्य के सभी परिवारों को 25 लाख रुपये तक का स्वास्थ्य बीमा दिया जा रहा है, जिसके माध्यम से लगभग 48.50 लाख लोगों को 5300 करोड़ रुपए का मुफ्त इलाज मुहैया कराया गया है। देश के किसी भी राज्य में इतनी बड़ी बीमा राशि की ऐसी कोई योजना नहीं है।

गहलोत ने किया 1266 करोड़ रुपए के 68 विकास कार्यों का शिलान्यास और लोकार्पण

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने बुधवार को 887 करोड़ रुपए की लागत से मेडिकल कॉलेजों से सम्बंधित चिकित्सा संस्थानों के 32 कार्यों एवं तीन नर्सिंग कॉलेजों के भवनों का शिलान्यास तथा 379 करोड़ रुपए के 36 कार्यों का लोकार्पण किया।

गहलोत ने मुख्यमंत्री निवास पर 1266 करोड़ रुपए के 68 विकास कार्यों का शिलान्यास और लोकार्पण किया। इस अवसर पर गहलोत ने 7.15 करोड़ रुपए लागत से तैयार छह मोबाइल कैंसर निदान वैन को भी हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस मौके सक्सेस स्टोरीज की पुस्तिका, कैंसर जागरूकता पोस्टर/पेम्पलेट का विमोचन भी किया गया । मुख्यमंत्री ने कहा कि पूरी प्रतिबद्धता एवं संवेदनशीलता के साथ चिकित्सा एवं स्वास्थ्य क्षेत्र में एक मजबूत ढांचा तैयार किया गया है। स्वास्थ्य योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन के परिणामस्वरूप गांवों-कस्बों तक उत्कृष्ट चिकित्सकीय सुविधाएं पहुंचाई गई है।उन्होंने कहा कि राजस्थान के चिकित्सा मॉडल को पूरे देश में सराहा जा रहा है। स्वास्थ्य का अधिकार, 25 लाख रुपए तक निःशुल्क उपचार के लिए मुख्यमंत्री चिरंजीवी स्वास्थ्य बीमा योजना सहित निःशुल्क दवाईयां और जांच सुविधा में राजस्थान देश का एकमात्र राज्य बन गया है। चिरंजीवी योजना में 50 लाख से अधिक मरीजों का उपचार किया जा चुका है। प्रतिदिन 1.50 लाख जांच निःशुल्क की जा रही है। प्रदेश में एमआरआई, सी.टी स्केन जैसी महंगी जांचों के साथ-साथ हार्ट, लीवर, बोनमैरो ट्रांसप्लांट जैसा महंगा इलाज भी निःशुल्क करवाया जा रहा है। इसी का सफल परिणाम है कि मातृ और शिशु मृत्यु दर में भी कमी आई है।

गहलोत ने कहा कि चिकित्सा क्षेत्र में राजस्थान देश में मॉडल स्टेट बन गया है। उन्होंने प्रधानमंत्री से राज्य की जैसी चिकित्सकीय योजनाओं को पूरे देश में लागू करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि राजस्थान मॉडल को अपनाकर देशवासियों को एक समान चिकित्सकीय सुविधाएं मुहैया कराई जानी चाहिए। राज्य के अनुभवी चिकित्सकों से विचार-विमर्श करने के साथ हमारे मॉडल का अध्ययन भी कराना चाहिए।

उन्होंने विकास कार्यों को समयबद्ध शुरू कराकर गुणवत्तापूर्ण पूरा कराने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सवाई मानसिंह अस्पताल में 538 करोड़ रुपए लागत से 1200 बेडयुक्त देश का सबसे ऊंचा आईपीडी टॉवर तैयार हो रहा है। वर्ष 2018 में एमबीबीएस में सीटें 1850 से बढ़कर अब 3830 और पी.जी में 960 से बढ़कर 1690 सीटें हो गई है। चार वर्षों में 26 नए नर्सिंग कॉलेज खोले गए, जिससे 1,560 नर्सिंग सीटों में बढ़ोतरी हुई है। उन्होंने कहा कि केन्द्र सरकार द्वारा तीन जिलों राजसमंद, जालौर एवं प्रतापगढ़ में मेडिकल कॉलेज स्वीकृत नहीं किए जाने पर अब राज्य सरकार ने कॉलेज बनाने का फैसला किया है।

गहलोत ने कहा कि राज्य में सुपर स्पेशलिटी सुविधाओं को बढ़ावा दिया जा रहा है। सभी संभागीय मेडिकल कॉलेजों में एंडोक्रिनोलॉजी, गैस्ट्रोएंटरोलॉजी, गैस्ट्रो-सर्जरी, ऑन्कोलॉजी, ओंको- सर्जरी, प्लास्टिक सर्जरी और कार्डियोलॉजी की सुविधा शुरू की गई है। साथ ही राजमेस के 7 मेडिकल कॉलेजों में कार्डियोलॉजी, गैस्ट्रोएन्टेरोलॉजी, न्यूरोलॉजी और यूरोलॉजी की सुविधाएं मंजूर की गई हैं। राज्य में चार सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल जयपुर, उदयपुर, कोटा और बीकानेर में शुरू किए गए है।

राजस्थान सरकार की प्राथमिकता कृषि उपभोक्ताओं को मिले निर्बाध विद्युत आपूर्ति : अशोक गहलोत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने घरेलू उपभोक्ताओं के साथ ही कृषि के लिए पर्याप्त विद्युत आपूर्ति राज्य सरकार की प्राथमिकता बताते हुए कहा है कि सरकार निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित करने के हरसंभव प्रयास कर रही है ताकि किसानों को सिंचाई में परेशानी उठानी नहीं पड़े। गहलोत ने मंगलवार देर रात तक मुख्यमंत्री निवास पर राज्य में विद्युत आपूर्ति की समीक्षा बैठक कर रहे थे। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि अघोषित बिजली कटौती नहीं की जाए। यदि कटौती अपरिहार्य हो, तो इसकी समुचित सूचना प्रभावित होने वाले क्षेत्र के लोगों को पूर्व में ही दी जानी चाहिए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि जून-जुलाई में बारिश अच्छी होने के कारण फसलों की बुवाई ऐतिहासिक रूप से बढ़ी वहीं अगस्त में बारिश की कमी से सिंचाई के लिए बिजली की मांग भी बढ़ गई। साथ ही छत्तीसगढ़ से भी कोयले की आपूर्ति नहीं होने, गर्मी की वजह से घरेलू उपभोक्ताओं की मांग बढ़ने सहित अन्य कारणों से बिजली की मांग और आपूर्ति में बड़ा अंतर आया है। 10 अगस्त से लगातार लगभग 3300 लाख यूनिट बिजली उपलब्ध करवायी जा रही है, जो कि एक रिकॉर्ड है। गत वर्ष अगस्त माह में औसत खपत लगभग 2300 लाख यूनिट ही थी परंतु इस वर्ष अचानक विद्युत भार बढ़ने के कारण ट्रांसफॉर्मर ट्रिपिंग की समस्या का सामना करना पड़ा। उन्होंने कहा कि अगस्त में राज्य में ही नहीं बल्कि पूरे उत्तरी भारत में बिजली की मांग अप्रत्याशित रूप से बढ़ी है। गहलोत ने कहा कि राज्य सरकार उपभोक्ताओं को पर्याप्त विद्युत उपलब्धता के लिए महंगी दर पर भी बिजली खरीदने को तैयार है लेकिन बिजली एक्सचेंज में बिजली की उपलब्धता नहीं हो पा रही है।

उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि आवश्यकता पड़ने पर उद्योगों को दी जा रही बिजली में कटौती कर कृषि उपभोक्ताओं को बिजली उपलब्ध कराई जाए। उन्होंने कहा कि प्रदेश में पहले दिन में कृषि बिजली उपलब्ध कराने का निर्णय लिया गया था लेकिन अचानक बढ़े कृषि बिजली भार से कई जिलों में अब रात को बिजली उपलब्ध करवाई जाए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि वर्तमान आवश्यकता को देखते हुए शॉर्ट टर्म बेसिस पर बिजली खरीदी जाए।

गहलोत ने बैठक में तीनों डिस्कॉम्स क्षेत्र में विद्युत की औसत मांग व उपलब्धता, ट्रांसफॉर्मर रिप्लेसमेंट, कोयले की उपलब्धता सहित अन्य बिन्दुओं पर विस्तार से समीक्षा की। बैठक में ऊर्जा विभाग के अधिकारियों ने सुचारू विद्युत आपूर्ति के प्रयासों, अगस्त 2023 से मार्च 2024 तक विद्युत की मांग व उपलब्धता, डिमांड साइड मैनेजमेंट से अवगत कराया।

मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि समय रहते विद्युत की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित की जाए। बारिश के कारण ग्रामीण क्षेत्रों में खराब ट्रांसफॉर्मर को बदलने या ठीक करने का कार्य त्वरित रूप से किया जाए। उन्होंने अधिकारियों को ग्रामीण क्षेत्रों में अधिक से अधिक दौरे कर जनप्रतिनिधियों और उपभोक्ताओं से फीडबैक लेने के निर्देश दिए। बैठक में ऊर्जा राज्य मंत्री भंवर सिंह भाटी और जोधपुर एवं अजमेर डिस्कॉम के प्रबंध निदेशक वी.सी के माध्यम से जुड़े। सीएमआर पर मुख्य सचिव उषा शर्मा, अतिरिक्त मुख्य सचिव वित्त अखिल अरोड़ा, प्रमुख शासन सचिव ऊर्जा भास्कर ए. सावंत, राजस्थान राज्य विद्युत प्रसारण निगम के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक आशुतोष ए. टी. पेडणेकर, ऊर्जा विभाग के सलाहकार ए.के. गुप्ता, राजस्थान विद्युत उत्पादन निगम के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक आर. के. शर्मा और जेवीवीएनएल के प्रबंध निदेशक आर.एन. कुमावत मौजूद थे।

आवासन आयुक्त एवं सचिव ने किया विभिन्न परियोजनाओं का दौरा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। आवासन आयुक्त एवं सचिव श्रीमती अल्पा चौधरी ने बुधवार को कोचिंग हब, एआईएस रेजिडेंसी और क्लब-21 का निरीक्षण कर संबंधित अधिकारियों को जरूरी दिशा-निर्देश दिए। श्रीमती चौधरी ने सुबह प्रताप नगर में कोचिंग हब का निरीक्षण किया। उन्होंने कैंपस में बने टावर 1 और 2, कैफेटेरिया, ऑडिटोरियम, लाइब्रेरी, पार्किंग सहित ग्रीनरी को देखा। उन्होंने बताया कि कैंपस में सिविल कार्य लगभग पूर्ण हो चुका है तथा सौंदर्यीकरण कार्य अंतिम दौर में है । उन्होंने अधिकारियों को जल्द कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए। इस दौरान उन्होंने एआईएस रेजिडेंसी और एनआरआई क्लब-21 में चल रहे कार्यों का भी जायजा लिया।

आयुक्त एवं सचिव ने कहा कि तीनों परियोजनाओं में तेजी से कार्य चल रहा है। जल्द ही इनका लोकार्पण करवाया जाएगा। उन्होंने कहा कि कोचिंग हब में कार्य लगभग पूर्ण हो चुका है जबकि एआईएस रेसीडेंसी का कार्य तेजी से पूरा किया जा रहा है।

इस दौरान मुख्य अभियंता प्रथम अमित अग्रवाल, अतिरिक्त मुख्य नगर नियोजक अनिल माथुर, अतिरिक्त मुख्य अभियंता संजय पूनिया, अतिरिक्त मुख्य अभियंता विजय अग्रवाल, उप वित्तीय सलाहकार ओपी बुटोलिया सहित परियोजनाओं के उप आवासन आयुक्त, सहायक अभियंता और संवेदक उपस्थित रहे।

राजस्थान के चिकित्सा मॉडल को अपनाए केंद्र सरकार : गहलोत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने बुधवार को 887 करोड़ रुपए की लागत से मेडिकल कॉलेजों से सम्बंधित चिकित्सा संस्थानों के 32 कार्यों एवं 3 नर्सिंग कॉलेजों के भवनों का शिलान्यास किया। साथ ही, 379 करोड़ रुपए के 36 कार्यों का लोकार्पण भी किया। उन्होंने 7.15 करोड़ रुपए लागत से तैयार 6 मोबाइल कैंसर निदान वैन को भी हरी झंडी दिखाई। इस अवसर पर सक्सेस स्टोरीज की पुस्तिका, कैंसर जागरूकता पोस्टर/पेम्पलेट का विमोचन किया गया है।

गहलोत ने मुख्यमंत्री निवास पर 1266 करोड़ रुपए के 68 विकास कार्यों का शिलान्यास और लोकार्पण समारोह को सम्बोधित किया। उन्होंने कहा कि पूरी प्रतिबद्धता एवं संवेदनशीलता के साथ चिकित्सा एवं स्वास्थ्य क्षेत्र में एक मजबूत ढांचा तैयार किया गया है। स्वास्थ्य योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन के परिणामस्वरूप गांवों-कस्बों तक उत्कृष्ट चिकित्सकीय सुविधाएं पहुंचाई गई है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राजस्थान के चिकित्सा मॉडल को पूरे देश में सराहा जा रहा है। स्वास्थ्य का अधिकार, 25 लाख रुपए तक निःशुल्क उपचार के लिए मुख्यमंत्री चिरंजीवी स्वास्थ्य बीमा योजना सहित निःशुल्क दवाईयां और जांच सुविधा में राजस्थान देश का एकमात्र राज्य बन गया है।

चिरंजीवी योजना में 50 लाख से अधिक मरीजों का उपचार किया जा चुका है। प्रतिदिन 1.50 लाख जांच निःशुल्क की जा रही है। प्रदेश में एमआरआई, सी.टी स्केन जैसी महंगी जांचों के साथ-साथ हार्ट, लीवर, बोनमैरो ट्रांसप्लांट जैसा महंगा इलाज भी निःशुल्क करवाया जा रहा है। इसी का सफल परिणाम है कि मातृ और शिशु मृत्यु दर में भी कमी आई है।

गहलोत ने कहा कि चिकित्सा क्षेत्र में राजस्थान देश में मॉडल स्टेट बन गया है। उन्होंने प्रधानमंत्री से राज्य की जैसी चिकित्सकीय योजनाओं को पूरे देश में लागू करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि राजस्थान मॉडल को अपनाकर देशवासियों को एक समान चिकित्सकीय सुविधाएं मुहैया कराई जानी चाहिए।

इन्वेस्ट राजस्थान समिट के तहत करीब 52 प्रतिशत एमओयू

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। उद्योग एवं वाणिज्य विभाग की अतिरिक्त मुख्य सचिव श्रीमती वीनू गुप्ता की अध्यक्षता में बुधवार को उद्योग भवन में इन्वेस्ट राजस्थान समिट-2022 के तहत हुए एमओयू-एलओआई क्रियान्वयन की प्रगति की समीक्षा बैठक आयोजित हुई। समीक्षा बैठक में श्रीमती गुप्ता ने एमओयू-एलओआई के क्रियान्वयन को लेकर की जा रही कार्यवाही का विभागवार फीडबैक लिया। उन्होंने बताया कि कुल 4195 एमओयू-एलओआई हुए थे जिसमें से लगभग 52 प्रतिशत एमओयू-एलओआई का सफल क्रियान्वयन किया जा चुका है। उन्होंने कहा कि 2174 परियोजनाओं के क्रियान्वयन का कार्य निरंतर जारी है। इनमें से 1234 परियोजनाओं का धरातल पर सफल क्रियान्वयन हो भी जा चुका है।

उन्होंने बैठक में मौजूद बीआईपी, उद्योग एवं वाणिज्य विभाग, रीको, वन स्टॉप शॉप के नोडल अधिकारियों सहित वीसी से जुड़े समस्त अधिकारियों को निर्देशित किया कि सभी सामूहिक प्रयासों से प्रमोटर्स को प्रोत्साहित करें जिससे परियोजनाओं का सफल क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जा सके। उन्होंने कहा कि परियोजनाओं को अमली जामा पहनाने के लिए स्थानीय प्रशासन के साथ निरंतर संवाद स्थापित किया जाए। समीक्षा बैठक में बीआईपी आयुक्त ओम कसेरा, उद्योग एवं वाणिज्य विभाग के अतिरिक्त निदेशक आर.के.आमेरिया सहित विभिन्न अधिकारी मौजूद रहे।

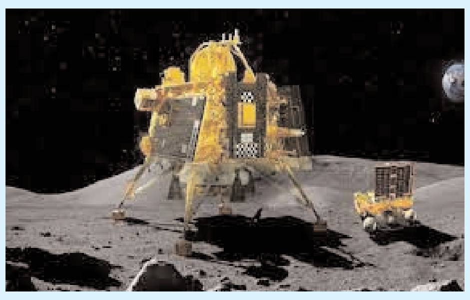

पूर्वोत्तर राज्यों के मुख्यमंत्रियों ने चंद्रयान-3 को 'मानवता की एक और बड़ी छलांग' बताया

कोलकाता/भुवनेश्वर/रांची/गुवाहाटी/भाषा। 'चंद्रयान-3' की सफलता से प्रसन्न पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने चंद्रमा की सतह पर अंतरिक्ष यान की सॉफ्ट लैंडिंग के लिए देश के वैज्ञानिक समुदाय की प्रशंसा की वहीं ओडिशा के उनके समकक्ष नवीन पटनायक ने इसे ऐतिहासिक दिन बताया। झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने इस सफलता पर कहा, अद्भुत, अविस्मरणीय। गुवाहाटी में एक विद्यालय में लैंडिंग का सीधा प्रसारण देख रहे असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने ट्वीट किया, मानवता की एक और बड़ी छलांग। उन्होंने यह टिप्पणी अंतरिक्षयात्री नील आर्मस्ट्रांग के 1969 में चांद पर कदम रखने वाला पहला इंसान बनने के बाद दिए मशहूर वक्तव्य के संदर्भ में की।

भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने बुधवार को अंतरिक्ष क्षेत्र में एक नया इतिहास रचते हुए चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर लैंडर 'विक्रम' और रोवर 'प्रज्ञान' से लैस लैंडर मॉड्यूल की 'सॉफ्ट लैंडिंग' कराने में सफलता हासिल की। भारतीय समयानुसार शाम करीब छह बजकर चार मिनट पर इसने चांद की सतह को छुआ।

ममता ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' (पूर्व में ट्विटर) पर कहा, चंद्रयान-3 की जय हो। इसकी शानदार सफलता की जय हो...इसरो की जय हो। चंद्रमा पर सफलतापूर्वक अन्वेषण अभियान भेजने में हमारे देश की शानदार उपलब्धि की जय हो। उन्होंने कहा, भारत अब अंतरिक्ष की सुपर लीग में है। अभियान के सभी गौरवान्वित पक्षकारों को हार्दिक बधाई। आइए हम इस गौरवशाली क्षण का जश्न मनाए और ज्ञान एवं अनुप्रयोगों के अग्रिम क्षेत्रों में भारत की और प्रगति के लिए प्रार्थना करें। जय भारत, जय हिंद।

चंद्रयान-3 की सफल 'लैंडिंग' के लिए वैज्ञानिकों को सलाम, सामूहिक संकल्प का नतीजा : कांग्रेस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस ने चंद्रयान-3 की सफल 'लैंडिंग' को भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) की बेमिसाल उपलब्धि करार देते हुए बुधवार को कहा कि यह किसी एक व्यक्ति नहीं, बल्कि सामूहिक संकल्प का नतीजा है। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने बुधवार को अंतरिक्ष क्षेत्र में एक नया इतिहास रचते हुए चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर लैंडर 'विक्रम' और रोवर 'प्रज्ञान' से लैस एलएम की सॉफ्ट लैंडिंग कराने में सफलता हासिल की। भारतीय समयानुसार शाम करीब छह बजकर चार मिनट पर इसने चांद की सतह को छुआ।

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा कि चंद्रयान-3 की सफलता प्रत्येक भारतीय की सामूहिक सफलता है। पार्टी के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने चंद्रयान-3 की सफल 'लैंडिंग' को इसरो की शानदार उपलब्धि करार देते हुए बुधवार को कहा कि यह सफलता वैज्ञानिक समुदाय की प्रतिभा और कड़ी मेहनत का परिणाम है।

कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, 1962 में शुरू हुए भारत के अंतरिक्ष कार्यक्रम ने आज चंद्रयान-3 के रूप में एक नई ऊंचाई तय की। पूरा देश आज भारतीय अंतरिक्ष कार्यक्रम की इस गौरवशाली यात्रा पर गर्व महसूस कर रहा है। सभी देशवासियों के लिए खुशी का क्षण है। सभी वैज्ञानिकों व देशवासियों को बधाई व शुभकामनाएं। जय हिन्द, जय भारत। वहीं, पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने एक बयान में कहा, आज हम जो सफलता देख रहे हैं वो एक सामूहिक संकल्प, एक सामूहिक कामकाज है, एक सामूहिक टीम के प्रयास का नतीजा है। यह सिस्टम का नतीजा है, एक व्यक्ति का नहीं है। उन्होंने कहा, पिछले कुछ वर्षों में इसरो की जो साझेदारी है, जो भागीदारी है - अलग-अलग शिक्षा के संस्थान हैं, निजी क्षेत्र की छोटी-छोटी कंपनियां हैं, जिन्हें आज स्टार्टअप्स कहते हैं, उनके साथ जो भागीदारी का कार्यक्रम इसरो की तरफ से हुआ है, उसका भी असर हम देख रहे हैं। आज का क्षण हमारे लिए बहुत ही गर्व का क्षण है और हम इसरो को सलाम करते हैं।

हिमंत विश्व शर्मा ने 'पुरानी' बनाम 'नई' भाजपा की बहस को खारिज किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने 'पुरानी भाजपा' बनाम 'नई भाजपा' की बहस को खारिज करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और पार्टी अध्यक्ष जे पी नड्डा ने यह स्पष्ट कर दिया है कि 'कांग्रेस-मुक्त भारत' हासिल करने के लिए कोई भी व्यक्ति 'मिस्ड कॉल' देकर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) में शामिल हो सकता है।

शर्मा ने मंगलवार को असम में भाजपा के कुछ पुराने नेताओं और हाल के दिनों में पार्टी में शामिल हुए लोगों के बीच खींचतान की खबरों के बीच यह टिप्पणी की। उन्होंने जोर देकर कहा कि उनके पूर्ववर्ती सर्बानंद सोनोवाल, मणिपुर के मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह, अरुणाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री पेमा खांडू, पश्चिम बंगाल विधानसभा में विपक्ष के नेता शुभेंदु अधिकारी और कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई के अलावा वह खुद भी तथाकथित 'नई भाजपा' के लोग हैं। भाजपा की असम इकाई में खींचतान से जुड़े सवाल पर शर्मा ने पत्रकारों से कहा, नई और पुरानी भाजपा जैसी कोई चीज नहीं है। अगर पार्टी ने उस तरह से सोचा होता, तो क्या आपको लगता है कि सोनोवाल या हिमंत विश्व शर्मा (असम के) मुख्यमंत्री बन सकते थे?

भाजपा में शामिल होने से पहले शर्मा कांग्रेस का हिस्सा थे, जबकि सोनोवाल असम गण परिषद (एजीपी) से जुड़े हुए थे।

भारतीय क्रिकेटरों ने चंद्रमा पर 'चंद्रयान-3' की साफ्ट लैंडिंग का जश्न मनाया

नई दिल्ली/भाषा। भारत के मौजूदा और पूर्व क्रिकेटरों ने 'चंद्रयान-3' के लैंडर मॉड्यूल ने चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर सॉफ्ट लैंडिंग की सफलता का जश्न मनाते हुए इस उपलब्धि को ऐतिहासिक-अभूतपूर्व करार दिया। बीसीसीआई द्वारा जारी एक वीडियो में भारतीय टीम आयरलैंड के खिलाफ तीसरे और अंतिम टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच से कुछ घंटे पहले टीवी पर 'चंद्रयान-3' के लैंडर मॉड्यूल के सॉफ्ट लैंडिंग के अपडेट देखते हुए जश्न मनाती दिखी।

बीसीसीआई ने 'एक्स' (पूर्व में ट्विटर) पर लिखा, डबलिन से इतिहास बनते हुए देख रहे हैं। भारत के विक्रम लैंडर ने जिस क्षण चंदमा के दक्षिणी ध्रुव की सतह को सफलतापूर्वक छुआ। भारत चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर सॉफ्ट लैंडिंग कराने वाला दुनिया का पहला देश तथा चांद की सतह पर सॉफ्ट लैंडिंग करने वाले चार देशों में शामिल हो गया है। महान क्रिकेटर सचिन तेंदुलकर ने भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) की उपलब्धि की प्रशंसा करते हुए लिखा, विजयी विश्व तिरंगा प्यारा, झंडा ऊंचा रहे हमारा। इसरो भारत के सर्वश्रेष्ठ का प्रतिनिधित्व करता है। भारत को चंद्रयान-2 टीम को बधाई देनी चाहिए और जश्न मनाना चाहिए। प्रत्येक 'हार्ड लैंडिंग' में ऐसे सबक होते हैं जो हमें सॉफ्ट लैंडिंग के करीब ले जाते हैं - चंद्रमा पर और जीवन में भी। स्टार बल्लेबाज विराट कोहली ने भी 'एक्स' पर लिखा, चंद्रयान-3 की टीम को बहुत बहुत बधाई। आपने देश को गौरवान्वित किया। जय हिंद। दिग्गज स्पिनर रविचंद्रन अश्विन ने लिखा, इतिहास बन गया। इसरो को इस अभूतपूर्व उपलब्धि के लिए बधाई। जय हिंद। पूर्व तेज गेंदबाज वेंकटेश प्रसाद ने कहा, हमने इतिहास रच दिया। हम सभी को खुशी देने के लिए इसरो को बधाई। यह वाकई में ऐतिहासिक क्षण है।

प्रधान न्यायाधीश ने चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर चंद्रयान-3 की 'सॉफ्ट लैंडिंग' को ऐतिहासिक बताया

नई दिल्ली/भाषा। भारत के प्रधान न्यायाधीश (सीजेआई) डी वाई चंद्रचूड़ ने बुधवार को चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर चंद्रयान-3 की सफल 'सॉफ्ट लैंडिंग' को 'ऐतिहासिक उपलब्धि' करार दिया और इस सफलता पर टीम इसरो को बधाई दी। सीजेआई ने पीटीआई-भाषा से कहा कि चंद्र मिशन की सफलता ने भारत को उन चुनिंदा देशों के समूह में शामिल कर दिया है, जिन्होंने चंद्रमा की सतह पर सफलतापूर्वक 'सॉफ्ट लैंडिंग' की है। उन्होंने कहा, हमारे महान राष्ट्र के नागरिक के रूप में यह बेहद गर्व की बात है कि मैंने आज चंद्रमा पर चंद्रयान-3 की उल्लेखनीय लैंडिंग देखी।

सीजेआई ने कहा, यह और भी महत्वपूर्ण है क्योंकि भारत एकमात्र ऐसा देश है जिसने चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर लैंडिंग की है। न्यायमूर्ति चंद्रचूड़ ने कहा, इससे नए रास्ते खुलेंगे और वैज्ञानिक अनुसंधान तथा अन्वेषण में मदद मिलेगी। सच में, यह चंद्र लैंडिंग हमारे राष्ट्र के आगे बढ़ने में एक मील का पत्थर साबित होगी। उन्होंने इस ऐतिहासिक उपलब्धि पर टीम इसरो और पूरे वैज्ञानिक समुदाय को बधाई दी। न्यायमूर्ति चंद्रचूड़ ने कहा, उन्होंने वास्तव में देश को अपने काम से गौरवान्वित किया है। सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने भी परियोजना से जुड़े वैज्ञानिकों को बधाई दी। उन्होंने कहा कि पूरा देश इस उपलब्धि पर गर्व महसूस कर रहा है।

बसपा प्रमुख मायावती ने दिये 'एनडीए' और 'इंडिया' गठबंधनों से दूरी बनाये रखने के स्पष्ट संकेत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) अध्यक्ष मायावती ने भाजपा नीत राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) और विपक्षी गठबंधन 'इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इन्क्लूसिव अलायंस' (इंडिया) में से किसी का भी साथ नहीं देने के साफ संकेत देते हुए बुधवार को कहा कि दोनों ही बहुजन समाज को तोड़ने में व्यस्त रहते हैं, लिहाजा उनसे दूरी बनाये रखना ही बेहतर है।

मायावती ने बसपा के वरिष्ठ पदाधिकारियों के साथ बैठक में गठबंधन को लेकर पार्टी के इतिहास का जिक्र करते हुए कहा कि गठबंधनों से बसपा को फायदे के बजाय नुकसान ही हुआ है। उन्होंने कहा कि राजग और विपक्षी गठबंधन अगले लोकसभा चुनाव में जीत के दावे कर रहा है मगर सत्ता में आने के बाद इन दोनों के ज्यादातर वायदे खोखले ही साबित हुए हैं। उन्होंने कहा, दोनों की नीतियों व कार्यशैली से देश के गरीबों, मजदूरों, दलितों, पिछड़ों और धार्मिक अल्पसंख्यक समाज के लोगों का हित और कल्याण कम हुआ बल्कि उन्हें आपस में विभाजित कर उनका अहित ज्यादा हुआ है। बसपा समाज को जोड़कर आगे बढ़ने का प्रयास करती है जबकि वे लोग उन्हें तोड़कर कमजोर करने की संकीर्ण राजनीति में ही ज्यादातर व्यस्त रहते हैं, इसीलिए इनसे दूरी ही बेहतर है।

सरकार ने मनरेगा बजट में 33 प्रतिशत की कटौती की, फिर भी यह 14 करोड़ श्रमिकों का सहयोगी : खरगे

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने बुधवार को दावा किया कि 'महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना' (मनरेगा) के बजट में एक तिहाई की कटौती के बावजूद नरेन्द्र मोदी सरकार पर देश के 18 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में इस कार्यक्रम के तहत मजदूरी के 6,366 करोड़ रुपये बकाया हैं। खरगे ने वर्ष 2005 में आज ही के दिन कांग्रेस के नेतृत्व वाली संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन सरकार द्वारा शुरू किए गए प्रमुख ग्रामीण रोजगार गारंटी कार्यक्रम 'मनरेगा' की भी सराहना की। कांग्रेस अध्यक्ष ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, 2005 में आज ही के दिन हमारी कांग्रेस-संप्रग सरकार ने करोड़ों लोगों के वास्ते 'काम का अधिकार' सुनिश्चित करने के लिए मनरेगा लागू किया था।

उन्होंने दावा किया, भले ही मोदी सरकार ने इस साल मनरेगा के बजट में 33 प्रतिशत की कटौती की है और 18 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों का मनरेगा मजदूरी का 6,366 करोड़ रुपये बकाया है, फिर भी कांग्रेस पार्टी द्वारा शुरू किया गया यह प्रमुख कार्यक्रम 14.42 करोड़ श्मिकों का सहयोग करता है। इन श्मिकों में आधे से अधिक महिलाएं हैं।

सांस्कृतिक प्रदर्शन — दक्षिण भारत राष्ट्रमत

22 अगस्त, 2023 को नई दिल्ली में डॉ. अंबेडकर इंटरनेशनल सेंटर में छएड्ढड द्वारा आयोजित उद्भव – ईएमआरएस छात्रों के साथ संवाद कार्यक्रम में सांस्कृतिक प्रदर्शन की झलकियाँ। जनजातीय मामलों के केंद्रीय मंत्री, श्री अर्जुन मुंडा इस अवसर पर उपस्थित थे।

ममता ने प्रवासी मजदूरों से पश्चिम बंगाल वापस आकर अपना कारोबार करने को कहा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने बुधवार को अन्य राज्यों में काम कर रहे पश्चिम बंगाल के प्रवासी मजदूरों से वापस घर आकर व्यापार शुरू करने का आग्रह किया।

सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों के बारे में एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि उनकी सरकार प्रवासी मजदूरों की सूची बनाने की दिशा में काम कर रही है जो 'दुआरे सरकार' (दरवाजे पर सरकार) शिविरों में पूरा किया जाएगा।

राज्य में निवेश को आकर्षित करने के लिए अपने सरकार के प्रयासों की चर्चा करते हुए उन्होंने कहा,'आप अन्य राज्यों में काम करने क्यों जा रहे हैं और पांच लाख रुपये के ऋण के विकल्प (सरकार द्वारा दिए जा रहे) को नहीं चुन रहे। आप अपने परिवार को छोड़कर दूसरी जगह काम क्यों कर रहे हैं। मैं चाहती हूं आप सभी वापस आ जाएं।

अभिषेक बनर्जी से जुड़ी कंपनी पर छापेमारी के बाद दस्ताबेज जब्त : ईडी

नई दिल्ली/भाषा। तृणमूल कांग्रेस सांसद अभिषेक बनर्जी जिस कंपनी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ)थे उसके कोलकाता स्थित ठिकानों पर छापेमारी कर 'अपराध में संलिप्तता के संकेत करने वाले' दस्तावेजों को जब्त किया गया है। प्रवर्तन निदेशालय ने बुधवार को यह जानकारी दी।

अभिषेक बनर्जी तृणमूल कांग्रेस प्रमुख और पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के भतीजे हैं। केंद्रीय एजेंसी ने बताया कि 21 और 22 अगस्त को लीप्स ऐंड बाउंड्स प्राइवेट लिमिटेड कंपनी के तीन परिसरों की तलाशी ली गई। उसने बताया कि यह छापेमारी पश्चिम बंगाल शिक्षक भर्ती 'घोटाले' के सिलसिले में की गई। ईडी ने एक बयान में बताया कि यह कार्रवाई मामले में गिरफ्तार सुजय कृष्ण भद्रा के खिलाफ की गई जो कंपनी के मुख्य परिचालन अधिकारी (सीओओ) थे।

आरोप है कि कंपनी के जरिये करोड़ों रुपये के संदिग्ध लेन-देन को अंजाम दिया गया। ईडी द्वारा गिरफ्तार किए जाने के बाद तृणमूल कांग्रेस ने पार्थ चटर्जी को पार्टी से निलंबित कर दिया। इस मामले में अबतक 126 करोड़ से अधिक रुपये की संपत्ति जब्त की गई है।

कुलपतियों की नियुक्ति को लेकर नीतीश कुमार सरकार और राजभवन के बीच विवाद गहराया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पटना/भाषा। विश्वविद्यालयों में कुलपतियों की नियुक्ति के लिए राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ अर्लेकर के सचिवालय द्वारा विज्ञापन जारी किए जाने के बाद इसी नियुक्ति के संबंध में बिहार शिक्षा विभाग ने आवेदन आमंत्रित किए हैं जिससे इस मुद्दे पर नीतीश कुमार नीत राज्य सरकार और राजभवन के बीच जारी विवाद और गहरा हो गया है।

कुलाधिपति राज्यपाल अर्लेकर के सचिवालय ने पहले पटना विवि, ललित नारायण मिथिला विवि (दरभंगा), कामेश्वर सिंह दरभंगा संस्कृत विवि, बाबासाहेब भीमराव आंबेडकर बिहार विवि (मुजफ्फरपुर), जयप्रकाश विवि (छपरा), बीएन मंडल विश्वविद्यालय (मधेपुरा) और आर्यभट्ट नॉलेज यूनिवर्सिटी (पटना) के कुलपतियों की नियुक्ति के लिए आवेदन आमंत्रित किया था। वहीं बिहार के शिक्षा विभाग ने मंगलवार को बीएन मंडल विश्वविद्यालय (मधेपुरा) और आर्यभट्ट नॉलेज यूनिवर्सिटी (पटना) को छोड़कर बाकी पांचों विश्वविद्यालयों के कुलपति पर पर नियुक्ति के लिए आवेदन मांगे।

दोनों विज्ञापनों में इन पदों के लिए आवेदन प्रस्तुत करने के लिए अंतिम तिथि को छोड़कर नियम और शर्तें लगभग समान हैं। कुलाधिपति सचिवालय के एक परिपत्र के अनुसार, सात विश्वविद्यालयों में पद के लिए आवेदन प्रस्तुत करने की तारीख 24 से 27 अगस्त के बीच है, जबकि शिक्षा विभाग के विज्ञापन में अंतिम तिथि 13 सितंबर है।

अरुणाचल के राज्यपाल ने बीआरओ से दूरदराज के सीमावर्ती गांवों को आपस में जोड़ने को कहा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

ईटानगर/भाषा। अरुणाचल प्रदेश के राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल के.टी. परनाइक ने सीमा सड़क संगठन (बी.आर.ओ.) को जीवंत गांव कार्यक्रम के तहत दूरदराज के सीमावर्ती गांवों को आपस में जोड़ने के काम में तेजी लाने और राज्य के सीमावर्ती क्षेत्रों में समावेशिता और विकास को बढ़ावा देने के लिए प्रोत्साहित किया है।

पूर्वी सियांग जिले के दौरे पर आये राज्यपाल ने पासीघाट में बी.आर.ओ. की परियोजना ब्रह्मांक के मुख्य अभियंता ए के मिश्रा के साथ बैठक के दौरान सड़क की देखभाल की आवश्यकता पर जोर दिया ताकि ग्रामीणों को कम असुविधा हो। बयान में कहा गया कि परनाइक ने सड़कों का निर्माण कार्य समय पर पूरा करने और काम की उचित गुणवत्ता सुनिश्चित करने पर जोर दिया। बीआरओ के मुख्य अभियंता ने स्थानीय संपर्क एवं स्थानीय विकास को बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित करते हुए प्रोजेक्ट ब्रह्मांक के तहत चल रही परियोजनाओं पर व्यापक जानकारी प्रदान की। राज्यपाल ने मजबूत सड़क संचार के सर्वोपरि महत्व को पहचानते हुए, राष्ट्रीय स्तर पर महत्वपूर्ण परियोजनाओं को समय पर पूरा करने व स्थानीय समुदायों के उत्थान को सुनिश्चित करने के लिए सड़क निर्माण की गति में तेजी लाने की जरूरत को रेखांकित किया।

अलग बल्लेबाजी शैली से मदद मिलती है, रोहित के साथ साझेदारी पर बोले गिल

नई दिल्ली/भाषा। भारत के युवा बल्लेबाज शुभमन गिल का मानना है कि उनकी और कप्तान रोहित शर्मा की अलग अलग बल्लेबाजी शैलियों से उनकी सलामी जोड़ी कामयाब रही है।

भारतीय टीम एशिया कप और विश्व कप में उतरेगी तो कामयाबी का दारोमदार बहुत हद तक इस जोड़ी पर रहेगा। गिल ओर रोहित ने वनडे में नौ मैचों में साथ खेलकर 685 रन बनाये हैं।

गिल ने 'आईसीसी' से कहा, रोहित पावरप्ले में हवाई शॉट लगाना पसंद करते हैं जबकि मैं जगह तलाशकर चौके लगाता हूं। उन्हें छक्के जड़ना पसंद है। मुझे लगता है कि अलग अलग शैली होने से ही यह जोड़ी कामयाब रही है। रोहित के साथ बल्लेबाजी के बारे में उन्होंने कहा कि कप्तान उन्हें अपना स्वाभाविक खेल दिखाने की आजादी देते हैं। उन्होंने कहा, उनके साथ पारी की शुरूआत करना शानदार है। खासकर जब यह पता हो कि पूरा फोकस उन पर रहेगा। वह दूसरे बल्लेबाजों को खुलकर खेलने की सहूलियत देते हैं। उन्होंने कहा, वह खिलाड़ियों को पूरी आजादी देते हैं।

भारत को विश्व निशानेबाजी चैंपियनशिप में एक स्वर्ण और एक कांस्य

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बाकू/भाषा। अमनप्रीत सिंह ने बुधवार को यहां पुरुषों की 25 मीटर स्टैंडर्ड पिस्टल में पहला स्थान हासिल करके आईएसएसएफ निशानेबाजी विश्व चैंपियनशिप में भारत को पांचवां स्वर्ण पदक दिलाया जबकि महिलाओं ने स्टैंडर्ड पिस्टल की टीम स्पर्धा में कांस्य पदक जीता।

भारत ने अभी तक प्रतियोगिता में पांच स्वर्ण और चार कांस्य पदक जीते हैं और वह पदक तालिका में चीन के बाद दूसरे स्थान पर है। चीन ने 13 स्वर्ण पदक सहित 24 पदक जीते हैं। अमनप्रीत ने पुरुषों की स्टैंडर्ड पिस्टल में 577 अंक बनाए और वह कोरिया के रजत पदक विजेता ली गुनह्योक से तीन अंक आगे रहे। फ्रांस के केविन चैपोन ने कांस्य पदक हासिल किया। हर्ष गुप्ता (573 अंक के साथ चौथे), अक्षय जैन (545) तथा अमनप्रीत की भारतीय टीम मामूली अंतर से पदक से चूक गई। वह 1695 अंकों के साथ चीन, जर्मनी और कोरिया के बाद चौथे स्थान पर रही। महिलाओं की 25 मीटर स्टैंडर्ड पिस्टल में तियाना (538 के साथ 11वें), याशिता शौकीन (536 के साथ 12वें) और कृतिका शर्मा (527 के साथ 14वें) व्यक्तिगत पदक नहीं जीत पाई लेकिन उन्होंने कुल 1601 अंकों के साथ टीम स्पर्धा में कांस्य पदक हासिल किया। चीनी स्वर्ण पदक और अजरबैजान ने रजत पदक जीता। इस बीच राजेश्वरी कुमारी ने महिला ट्रैप क्वालीफायर के पहले दिन 73 का दूसरा सर्वश्रेष्ठ स्कोर बनाया और वह चौथे स्थान पर हैं। क्वालीफायर के बाकी बचे दो दौर गुरुवार को होंगे जिसके बाद छह खिलाड़ी फाइनल में जगह बनाएंगे।

महिला एशियाई हॉकी 5 विश्व कप क्वालीफायर में मलेशिया के खिलाफ आगाज करेगा भारत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु/भाषा। भारतीय टीम ओमान के सालाला में होने वाले महिला एशियाई हॉकी 5 विश्व कप क्वालीफायर में शुक्रवार को मलेशिया के खिलाफ पहला मैच खेलेगी। भारत को एलीट पूल में जापान, मलेशिया और थाईलैंड के साथ रखा गया है। वहीं चैलेंजर्स पूल में हांगकांग चीन, चीनी ताइपै, इंडोनेशिया, बांग्लादेश, ईरान और ओमान हैं।

भारतीय टीम की अगुवाई नवजोत कौर करेंगी। एलीट ग्रुप से शीर्ष दो टीमें सेमीफाइनल में पहुंचेंगी। मलेशिया के बाद भारत को शनिवार को जापान से और रविवार को थाईलैंड से खेलना है। भारत की कोच सौंदर्या येंडाला ने टीम की रवानगी से पहले कहा, हमें इस टूर्नामेंट का बेताबी से इंतजार है। इसकी तैयारी के लिये हमने काफी मेहनत की है। हम पूरे टूर्नामेंट में अच्छा खेलना चाहते हैं और उम्मीद है कि हमारी मेहनत रंग लायेगी।

कप्तान नवजोत ने कहा, हमें पूल में कुछ मजबूत टीमों का सामना करना है लेकिन हम पूरी तैयारी से आये हैं। हमें पदक जीतने का यकीन है।

सुविचार

जीवन में कभी भी अपने रहस्य किसी अन्य व्यक्ति को नही बताना चाहिये, क्योंकि ये आपके लिए भारी मुसीबत बन सकती है।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

खुलेंगे नई संभावनाओं के द्वार

देश ने अंतरिक्ष विज्ञान के क्षेत्र में नया इतिहास रच दिया। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के वैज्ञानिकों की प्रतिभा, कड़ी मेहनत और समर्पण की बदौलत चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर लैंडर 'विक्रम' और रोवर 'प्रज्ञान' से लैस एलएम की सॉफ्ट लैंडिंग हो गई। इसके लिए वैज्ञानिकों को बहुत-बहुत बधाइयां! समस्त देशवासियों को बधाइयां! भारत की यह सफलता अंतरिक्ष विज्ञान के क्षेत्र में नई संभावनाओं के द्वार तो खोलेगी ही, इसके साथ मानवता के कल्याण का मार्ग भी प्रशस्त करेगी। बुधवार शाम को जब सॉफ्ट लैंडिंग होने वाली थी, इसरो के यूट्यूब चैनल पर 42 लाख से ज्यादा लोग इसे लाइव देख रहे थे। इसके अलावा विभिन्न चैनलों और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के जरिए करोड़ों लोग इस क्षण के साक्षी बने। इससे पता चलता है कि देश में वैज्ञानिक चेतना का बहुत प्रसार हो रहा है। निस्संदेह यह देश के लिए बहुत गर्व का क्षण है। आज़ादी के बाद से लेकर आज तक विभिन्न पड़ाव पार करते हुए इसरो के वैज्ञानिकों ने ऐसे कई क्षण दिए हैं, जिन पर देशवासियों को गर्व होता है। अल्प संसाधनों के साथ शुरुआत करते हुए, कई संघर्षों का सामना करते हुए इन वैज्ञानिकों ने जो मेहनत की है, वह किसी तपस्या से कम नहीं है। इसका फल भारतवासियों को मिलेगा, समस्त मानवता को मिलेगा। चंद्रयान-3 मिशन की यह सफलता इसलिए भी खास है, क्योंकि अब भारत चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर सॉफ्ट लैंडिंग कराने वाला दुनिया का पहला देश बन गया है। जहां अत्यंत साधन संपन्न देशों की एजेंसियां नहीं पहुंच पाईं, वहां इसरो पहुंच गया है! इस मिशन की गूंज पूरी दुनिया में सुनाई देगी। आज हर अख़बार भारतीय वैज्ञानिकों की उपलब्धि का उल्लेख कर रहा है। दुनियाभर में इसरो की धाक जम गई है! इससे देश की छवि और मजबूत होगी।

इस मिशन से यह संदेश गया है कि भारत ज्ञान-विज्ञान के क्षेत्र में बड़ी ताकत बन गया है। जो विदेशी मीडिया हमारी नकारात्मक छवि पेश करता आया है, वह भी तारीफ करने को मजबूर है। इससे भारत के प्रति बेहद आशावादी नजरिया विकसित होगा। विज्ञान और नई तकनीक को बढ़ावा मिलेगा। रोजगार के अवसर पैदा होंगे, निवेश आएगा। शोध के क्षेत्र में बेहतर संभावनाएं पैदा होंगी। इतना ही नहीं, जब इसरो के वैज्ञानिक चंद्रमा से जुड़ी अनूठी जानकारी दुनिया के सामने रखेंगे तो उससे मानवता के कल्याण के नए आयाम स्थापित होंगे। यह सफलता युवाओं में विज्ञान के प्रति नई सोच और रुचि पैदा करेगी। एलएम की सॉफ्ट लैंडिंग के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का संबोधन भी नई उम्मीदें जगाने वाला था। उन्हीं के शब्दों में, 'हमारे वैज्ञानिकों के परिश्रम और प्रतिभा से भारत चंद्रमा के उस दक्षिणी ध्रुव पर पहुंचा है, जहां आज तक दुनिया का कोई भी देश नहीं पहुंच सका है। अब आज के बाद से चांद से जुड़े मिथक बदल जाएंगे, कथानक भी बदल जाएंगे और नई पीढ़ी के लिए कहावतें भी बदल जाएंगी। भारत में तो हम सभी लोग धरती को मां कहते हैं और चांद को मामा बुलाते हैं। कभी कहा जाता था, चंदा मामा बहुत 'दूर' के हैं। अब एक दिन वो भी आएगा, जब बच्चे कहा करेंगे- चंदा मामा बस एक 'टूर' के हैं!' निस्संदेह वह दिन भी आएगा, जब भारत अंतरिक्ष की अनंत गहराइयों में जाकर नए-नए रहस्यों का पता लगाएगा। वह दिन भी आएगा, जब पर्यटन के लिए लोगों की पसंद में अंतरिक्ष शामिल होगा। आज यह कहना कई लोगों को अतिशयोक्तिपूर्ण लग सकता है, लेकिन बहुत संभव है कि हम अन्य ग्रहों पर जीवन की प्रबल संभावनाएं तलाशने में सफल हो जाएं। भारत उसे भी अपनी सफलता से ज्यादा मानवता की सफलता करार देगा, क्योंकि हमारा कोई अंतरिक्ष मिशन किसी पर रौब जमाने के लिए या स्वयं को सर्वश्रेष्ठ सिद्ध करने के लिए नहीं (जैसा कि कुछ विदेशी एजेंसियों का रवैया है), बल्कि मानवता के कल्याण के लिए है।

ट्वीटर टॉक

मिज़ोरम में रेलवे के निर्माणाधीन पुल के दुर्घटनाग्रस्त होने से हुई जनहानि अत्यंत दु:खद एवं पीड़ादायक है। ईश्वर दिवंगत आत्माओं को शांति प्रदान करें। असीम पीड़ा की इस घड़ी में मेरी संवेदनाएं शोक संतप्त परिजनों के साथ हैं। घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की प्रार्थना करता हूँ।

-ओम बिरला

चंद्रयान-3 के लैंडर विक्रम की चांद पर सुरक्षित लैंडिंग हर भारतीय के लिए ऐतिहासिक और गौरव का क्षण है। न सिर्फ भारतीयों, बल्कि समूची दुनिया के लिए आज का दिन यादगार है, क्योंकि पहली बार कोई यान चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर उतारा गया है।

-दिया कुमारी

मुख्यमंत्री जी! आप कौनसे 2030 के विजन की बात कर रहे हैं? 2018 के चुनाव में किए किसानों की कर्ज माफी और युवाओं को बेरोजगारी भत्ता देने का वादा तो आपसे पूरा हुआ नहीं। आपने प्रदेश को अव्वल बनाने का वादा किया था।

-वसुंधरा राजे

प्रेरक प्रसंग

प्रतिभा का पारखी

यूनान के एक नगर में एक गरीब बालक लकड़ी का गट्ठा लेकर बाजार में बेचने गया। एक भले व्यक्ति ने गट्ठर को कलात्मक ढंग से बंधे देखा तो उसने बच्चे से पूछा, 'यह गट्ठर किसने बांधा?' बालक बोला, 'मेरे पिता लकड़ी काटते हैं और मैं उन्हें बांधकर लाता हूं।' उस आदमी ने कहा, 'इसे खोलकर दोबारा इसी तरह बांध सकते हो?' बालक ने गट्ठर खोलकर पुन: बांध दिया। वह आदमी बालक के श्रम से खुश होकर बोला, 'बेटे! मुझे गट्ठर नहीं खरीदना, मैं तुम्हें पढ़ा-लिखाकर काबिल बनाना चाहता हूं। क्या तुम मेरे साथ रह सकते हो?' बच्चे ने जवाब दिया, 'मैं चलने को राजी हूं। आप कहें तो घर से पिता की आज्ञा ले आऊं।' पिता ने बालक को खुशी-खुशी भेज दिया। बालक कुशाग्र बुद्धि का निकला। गणित में गहरी रुचि के कारण आगे चलकर वही बालक यूनान के महान गणितज्ञ एवं दार्शनिक पाइथागोरस के नाम से विश्वविख्यात हुआ। उन्होंने रेखागणित में पाइथागोरस प्रमेय लिखकर त्रिकोणमिति सरीखी एक नई शाखा को जन्म दिया। जिस व्यक्ति ने बच्चे के बुद्धि-चातुर्य को परखा था, वे यूनान के महानतम तत्वज्ञानी संत डेमोक्रीटस थे।

सामयिक

चाँद से मैं भारत बोल रहा हूँ

डॉ. पवन सिंह
मोबाइल : 8103581648

लगभग 41 दिनों की अद्भुत व अविस्मरणीय यात्रा के बाद, 23 अगस्त 2023 का दिन, 140 करोड़ दिलों की धड़कने और दुनियाभर की नजरें जिस ऐतिहासिक क्षण का साक्षी बनने के लिए बेसब्री से इंतज़ार कर रही थी। आखिरकार वो पल आ ही गया और जब हमारे चंद्रयान-3 ने चाँद के साउथ पोल पर सफल लैंडिंग कर विश्वपटल पर एक नया कीर्तिमान स्थापित कर दिया। इस शुभ लैंडिंग से पूरा देश उत्साह व ऊर्जा से सराबोर है। हमारे वैज्ञानिकों ने पूरे देश को गौरवान्वित करने का एक ओर मौका दिया है, इस सफलता के लिए इसरो के सभी वैज्ञानिकों, कर्मचारियों के अथक परिश्रम को कोटि-कोटि साधुवाद एवं बधाई। अब से चाँद पर भी अशोक स्तंभ के रूप में भारत की छाप स्थापित हो गयी है।

चंद्रयान-3 मिशन के उद्देश्य: इसरो ने चंद्रयान-3 मिशन के लिए तीन मुख्य उद्देश्य निर्धारित किए थे। पहला लैंडर की चंद्रमा की सतह पर सुरक्षित और सॉफ्ट लैंडिंग कराना। दूसरा चंद्रमा पर रोवर की विचरण क्षमताओं का अवलोकन और प्रदर्शन और तीसरा चंद्रमा की संरचना को बेहतर ढंग से समझने और उसके विज्ञान को अभ्यास में लाने के लिए चंद्रमा की सतह पर उपलब्ध रासायनिक और प्राकृतिक तत्वों, मिट्टी, पानी आदि पर वैज्ञानिक प्रयोग करना। इस पूरी यात्रा में चंद्रयान-3 ने अपने इन तीनों उद्देश्यों को बखूबी पूरा किया है। आगे आने वाले समय में शायद चंद्रयान-3 से हमें ऐसी अनेकों जानकारियां मिल सकती हैं, जिसके बारे में अभी सोच पाना मुश्किल है।

चंद्रयान -3 की यात्रा आसान नहीं थी: लगभग 615 करोड़ रुपए की लागत से बने और 14 जुलाई को आंध्र प्रदेश के श्रीहरिकोटा स्थित सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र से यात्रा शुरू करने वाले चंद्रयान-3 के पूरे सफर ने पहले दिन से प्रत्येक भारतीय को अपने से जोड़े रखा और दुनियाभर से करोड़ों लोग टकटकी लगाए इस यात्रा से लगातार जुड़े रहे। इसरो ने पृथ्वी से दूर कई बार चंद्रयान-3 की कक्षाएं बदली थी। पृथ्वी की अलग-अलग कक्षाओं में परिक्रमा करते हुए एक अगस्त को स्लिंगशाट के बाद पृथ्वी की कक्षा छोड़कर यान चंद्रमा की कक्षा की ओर बढ़ा था। पांच अगस्त को इसने चंद्रमा की कक्षा में प्रवेश किया। छह अगस्त को पहली बार कक्षा बदली। इसके बाद नौ, चौदह और सोलह अगस्त को कक्षाओं में बदलाव कर यह चंद्रमा के और नजदीक पहुंचा। सत्रह अगस्त को चंद्रयान-3 के प्रोपल्शन मॉड्यूल और लैंडर मॉड्यूल अलग-अलग हो गए और लैंडर मॉड्यूल चंद्रमा की सतह की ओर बढ़ा। 18 और 19 अगस्त को दो बार डीबूस्टिंग (धीमा करने की प्रक्रिया) के बाद लैंडर (विक्रम) और रोवर (प्रज्ञान) से युक्त लैंडर मॉड्यूल चाँद की सबसे करीबी कक्षा में पंहुचा और इस असंभव लगने वाली चंद्रयान-3 की यात्रा को आख़िरकार हमने चुनौतियों के बावजूद भी पूरा कर लिया। बीच-बीच में कई बार दिलों की धड़कने तेज भी हुई और डर भी लगा, लेकिन अंत भला तो सब भला।

साउथ पोल पर होने के मायने: भारत साउथ पोल पर पहुँचने वाला दुनिया का पहला देश बन गया है। साउथ पोल से भारत को ऐसी सब जानकारियां मिल सकती है, जो वहां पर जीवन की संभावनाओं और अन्य संबंधित क्षेत्रों से जुड़ी संभावनाओं को ओर अधिक गति प्रदान करेगा। साउथ पोल पर पानी की सम्भावना की तलाश का मतलब होगा एक नई जिंदगी। इससे मंगल पर जाने के लिए चंद्रमा पर उतरकर फ्यूल ले सकेंगे। हाइड्रोजन-ऑक्सीजन मिलकर स्वच्छ राकेट फ्यूल बना सकते हैं, इससे पानी को हाइड्रोजन और ऑक्सीजन में तोड़ा जा सकता है। साउथ पोल पर कीमती धातुओं के रूप में सोना, प्लेटिनमम, टाइटेनियम और यूरेनियम होने की संभावना है। वहां पर बड़ी मात्रा में नॉन रेडिओएक्टिव हीलियम गैस और इलेक्ट्रॉनिक्स बनाने में काम आने वाली धातुएं भी मिल सकती है। चंद्रमा पर बर्फ के अणुओं का अध्ययन, चंद्रमा की सतह से अंतरिक्ष के अध्ययन की संभावना तलाशना, मिट्टी व प्राकृतिक संसाधनों का अध्ययन ऐसी अनेक संभावनाओं का भविष्य में पता चल सकता है।

स्पेस में बढ़ता भारत का वर्चस्व: स्पेस मार्किट में भारत के लिए संभावनाएं पहले से अधिक बढ़ गई है। अंतरिक्ष में भी पूरी दुनिया आज भारत का लोहा मानने लगी है। अब भारत ने स्पेस में अमेरिका सहित कई बड़े देशों का एकाधिकार तोड़ा है। पूरी दुनिया में सैटेलाइट के माध्यम से टेलीविज़न प्रसारण, मौसम की भविष्यवाणी और दूरसंचार का क्षेत्र बहुत तेज गति से बढ़ रहा है और चूंकि ये सभी सुविधाएं उपग्रहों के माध्यम से संचालित होती हैं, इसलिए संचार उपग्रहों को अंतरिक्ष में स्थापित करने की मांग में बढ़ोतरी हो रही है। हालांकि इस क्षेत्र में चीन, रूस, जापान आदि देश प्रतिस्पर्धा में है, लेकिन यह बाजार इतनी तेजी से बढ़ रहा है कि यह मांग उनके सहारे पूरी नहीं की जा सकती। ऐसे में चंद्रयान-3 की कम बजट में सफल लैंडिंग के बाद व्यवसायिक तौर पर भारत के लिए संभावनाएं पहले से अधिक बढ़ गयी है। आज कम लागत और सफलता की गारंटी इसरो की सबसे बड़ी ताकत बन गयी है। अंतरिक्ष बाजार में भारत की धमक का यह स्पष्ट संकेत है। इसके साथ ही भारत अब 200 अरब डालर के अंतरिक्ष बाजार में एक महत्वपूर्ण देश बनकर उभरा है। चांद और मंगल अभियान सहित इसरो अपने 100 से ज्यादा अंतरिक्ष अभियान पूरे करके पहले ही इतिहास रच चुका है। भविष्य में अंतरिक्ष में प्रतिस्पर्धा बढ़ेगी क्योंकि यह अरबों डालर की मार्किट है।

कुछ साल पहले तक फ्रांस की एरियन स्पेस कंपनी की मदद से भारत अपने उपग्रह छोड़ता था पर अब वह ग्राहक के बजाय साझीदार की भूमिका में पहुंच गया है। यदि इसी तरह भारत अंतरिक्ष क्षेत्र में सफलता प्राप्त करता रहा तो वह दिन दूर नहीं जब हमारे यान अंतरिक्ष यात्रियों को चांद, मंगल या अन्य ग्रहों की सैर करा सकेंगे। इसरो के मून मिशन, मंगल अभियान, स्वदेशी स्पेस शटल की कामयाबी और अब चंद्रयान-3 की सफलता के बाद इसरो के लिए संभावनाओं के नये दरवाजे खुल जाएंगे, जिससे भारत का निश्चित रूप से स्पेस में वर्चस्व पहले से अधिक बढ़ जाएगा।

जिसका इंतजार था, जिसके लिए करोड़ों-करोड़ों लोगों का दिल बेकरार था, वो पल हम सबने देखा और हम सब उसके साक्षी भी बने। यह अनुभव व सफलता 140 करोड़ भारतीयों के जीवन का स्वर्णिम पल रहेगा। सच में चंद्रयान-3 की सफलता ने 2047 के अमृतकाल की शुरुवात बहुत बेहतरीन तरीके से की है और अब प्रत्येक भारतीय का विश्वास पहले से कई गुणा बढ़ गया है, कि भारत अब किसी भी क्षेत्र में रुकने वाला नहीं है। अब सभी दिलों की केवल एक ही धुन है जय भारत, जय-जय भारत। एक बार पुन: इसरो के सभी वैज्ञानिकों, कर्मचारियों की अथक मेहनत को सलाम व सभी भारतीयों को बधाई, क्योंकि चांद से मैं भारत बोल रहा हूँ।

राजनीति

यूपी में गठबंधन सियासत पर कांग्रेस की हसरतें और हकीकत पड़ सकी हैं भारी

स्वदेश कुमार

उत्तर प्रदेश कांग्रेस की कमान हाथ में आने के बाद जिस तरह से कांग्रेस के नवनियुक्त अध्यक्ष अजय राय ने राहुल-प्रियंका के क्रमशः अमेठी-वाराणसी से लोकसभा चुनाव लड़ने को लेकर राग छेड़ा है,उससे पार्टी के कार्यकर्ताओं में नया जोश भर गया है।यहां तक की कांग्रेस आलाकमान को भी लगने लगा है कि उसने यूपी कांग्रेस की जिम्मेदारी अजय राय को सौंप कर तीर निशाने पर मार दिया है। सपा के आईएनडीआई गठबंधन और अजय राय के धमाकेदार अंदाज के सहारे कांग्रेस एक बार फिर से यूपी में अपनी खोई जमीन को मजबूत करने की कोशिश में जुट गई है।वैसे यह प्रयोग कोई नया नहीं है, 2017 के विधान सभा चुनाव में भी इसी तरह का गठबंधन हुआ था, मगर यूपी के वोटरों को यह साथ पसंद नहीं आया था। इसलिए राजनैतिक पंडित इस बार भी गठबंधन को लेकर ज्यादा उत्साहित नहीं हैं। परंतु इसके उलट इस बार कांग्रेस की नजर यूपी की ऐसी एक चौथाई सीटों पर है, जिन पर पार्टी अपने आप को मजबूत स्थिति में समझती है।खैर,कांग्रेस के दावों से अलग बात की जाए तो उसके (कांग्रेस) लिए सबसे बड़ी चिंता यूपी में घटते हुए जनाधार की है। ऐसे में जब एनडीए को हराने के लिए आईएनडीआईए गठबंधन के साथ कांग्रेस आगे बढ़ रही है तो पार्टी का फोकस उन सीटों पर है, जहां पार्टी पिछले चुनाव में दूसरे या तीसरे स्थान पर रही थी।

कांग्रेसियों का कहना है कि करीब दो दर्जन लोकसभा सीटों पर पार्टी अपनी दावेदारी ठोक पेश कर सकती है । इनमें रायबरेली व अमेठी के साथ वाराणसी, महाराजगंज, कुशीनगर, फैजाबाद, डुमरियागंज, बांसगांव, गोंडा, श्रावस्ती, शाहजहांपुर, खीरी, कानपुर, उन्नाव, प्रतापगढ़, बरेली, पीलीभीत, रामपुर, फर्रुखाबाद, बाराबंकी व मुरादाबाद जैसी सीटें शामिल हैं। बात पिछले चार लोकसभा चुनाव के नतीजों की कि जाए तो कांग्रेस का सबसे बेहतर प्रदर्शन 2009 में ही रहा था। आज सिर्फ सोनिया गाँधी की एक लोकसभा सीट वाली कांग्रेस ने 2009 में 21 सीटों पर जीत दर्ज की थी। वर्ष 2009 के बाद 2014 के लोकसभा चुनाव में पार्टी को जबरदस्त झटका लगा और कांग्रेस सिर्फ अपनी दो परंपरागत सीटों रायबरेली व अमेठी में ही जीत हासिल कर सकी। 2019 के चुनाव में कांग्रेस की सिर्फ एक सीट ही रह गई। इन चुनावों में सपा-बसपा के गठबंधन की वजह से कांग्रेस ने कई सीटों पर अपने प्रत्याशी नहीं उतारे, जबकि कई सीटों पर कांग्रेस तीसरे नबंर पर रही। रामपुर, बरेली, शाहजहांपुर, खीरी, उन्नाव, फर्रुखाबाद, बाराबंकी, फैजाबाद, डुमरियागंज, बस्ती व कुशीनगर में भी कांग्रेस के प्रत्याशी तीसरे नंबर पर रहे थे। अमेठी में राहुल गांधी व कानपुर में श्रीप्रकाश जायसवाल दूसरे स्थान पर रहे थे। रायबरेली की सीट थी कांग्रेस के खाते में इसलिए आई थी क्योंकि अमेठी के साथ-साथ यहां से सपा ने अपना प्रत्याशी नहीं उतारा था। इसके बावजूद अमेठी राहुल गांधी हार गए थे। बहराल, कांग्रेस भले ही उत्तर प्रदेश में बड़ी उड़ान के सपने देख रही है,लेकिन यह मिशन समाजवादी पार्टी के बिना पूरा होते दिखाई नहीं दे रहा है, ऐसे में सवाल यह भी है कि क्या समाजवादी पार्टी का नेतृत्व कांग्रेस की उम्मीद के अनुसार उसे लोकसभा की सीटें दे देगी।अगर नहीं दी तो गठबंधन में दरार भी पड़ सकती है।ऐन मौके पर यदि बसपा भी इस गठबंधन में शामिल हो गई तो वह भी इससे कम सीटे अपने लिए नहीं चाहेगी। फिर राष्ट्रीय लोकदल भी 8-10 सीटों पर उम्मीद लगाए बैठा है। ऐसे में यह कहा जा सकता कांग्रेस ने यूपी में अपनी हकीकत को समझने के बजाय हसरतों पर ज्यादा ध्यान दिया तो सपा के लिए कांग्रेस से दूरी बनाए रखने का रास्ता खुल जाएगा। ऐसा इसलिए मुश्किल भी नहीं है क्योंकि 2017 में कांग्रेस के साथ समाजवादी पार्टी गठबंधन करके देख चुकी है उसे विधानसभा चुनाव में कोई खास फायदा नहीं हुआ था।

(वरिष्ठ पत्रकार एवं पूर्व सूचना आयुक्त, उत्तर प्रदेश)

विशेष

आज हम चांद पर हैं

डॉ सत्यवान सौरभ
मोबाइल : 9466526148

भारत की अंतरिक्ष एजेंसी ने आज चंद्रमा पर एक रोवर को उतारकर अंतरिक्ष अन्वेषण में एक शक्ति और अंतरिक्ष वाणिज्य की नई सीमा के रूप में देश के आगमन को चिह्नित किया है। 75 मिलियन डॉलर से कम के बजट पर निर्मित, चंद्रयान -3, जिसका संस्कृत में अर्थ है चंद्रमा वाहन, आज चांद पर है। अपनी पीठ पर चंद्रयान-3 आज 140 करोड़ भारतीयों की उम्मीदों को साकार कर चुका है। चांद को चूमने पर ये उम्मीदें हर भारतीय के दिल में खुशी बनकर फूटी है। पूरा देश खुशियां मना रहा है। पिछली बार जो कसक रह गई थी, इस बार सब मंगल हुई। जी हां, आज हम चांद पर है। पूरे देश को बेसब्री से चंद्रयान की लैंडिंग का इंतजार था वो खत्म हुआ।

मिशन की सफलता से भारत संयुक्त राज्य अमेरिका, पूर्व सोवियत संघ और चीन वाले देशों के एक छोटे समूह में शामिल हो गया है, जिन्होंने चंद्रमा पर सॉफ्ट लैंडिंग की है। इस साल की शुरुआत में एक जापानी स्टार्ट-अप का प्रयास ऊंचाई की गलत गणना के कारण लैंडर के दुर्घटनाग्रस्त होने के साथ समाप्त हुआ, जिसका मतलब था कि अंतरिक्ष यान का ईंधन खत्म हो गया था। स्पेसआईएल और इज़राइल एयरोस्पेस इंडस्ट्रीज (आईएआई) द्वारा निर्मित एक इज़राइली अंतरिक्ष यान भी इस साल की शुरुआत में चंद्रमा की सतह पर दुर्घटनाग्रस्त हो गया था। 2020 में चंद्रयान-2 मिशन में एक ऑर्बिटर को सफलतापूर्वक तैनात करने के बाद भारत का अंतरिक्ष उद्योग इस मिशन से मुक्ति की तलाश से, लैंडर और रोवर को उतारने में सफल हुए। चंद्रयान-2 मिशन को स्थायी रूप से छाया वाले चंद्रमा के क्रेटर का अध्ययन करने के लिए डिज़ाइन किया गया था। ऐसा माना जाता है कि इसमें पानी का भंडार है जिसकी पुष्टि 2008 के पहले चंद्रयान-1 मिशन से हुई थी - जिसने चंद्रमा की कक्षा तो ली लेकिन उतरा नहीं।

इस बार सब योजना के अनुसार हुआ, चंद्रयान -3 में 2-मीटर (6.5-फुट) लंबा लैंडर शामिल है जिसे चंद्रमा के पास एक रोवर तैनात करने के लिए डिज़ाइन किया गया है। दक्षिणी ध्रुव जहां पानी की बर्फ पाई गई है। उम्मीद है कि प्रयोगों की एक श्रृंखला चलाने के बाद रोवर दो सप्ताह तक कार्यशील रहेगा। चंद्रयान-3 का लैंडर और रोवर चांद की सतह पर उतरने के बाद अपने मिशन का अंजाम देने के लिए सौर्य ऊर्जा का इस्तेमाल करेगा। चांद पर 14 दिन तक दिन और अगले 14 दिन तक रात रहती है, अगर चंद्रयान ऐसे वक्त में चांद पर उतरेगा जब वहां रात हो तो वह काम नहीं कर पाएगा। इसरो सभी चीजों की गणना करने के बाद इस नतीजे पर पहुंचा है कि 23 अगस्त से चांद के दक्षिणी ध्रुव सूरज की रौशनी उपलब्ध रहेगी।

इसरो सभी चीजों की गणना करने के बाद इस नतीजे पर पहुंचा है कि 23 अगस्त से चांद के दक्षिणी ध्रुव सूरज की रौशनी उपलब्ध रहेगी। वहां रात्रि के 14 दिन की अवधि 22 अगस्त को समाप्त हो रही है। 23 अगस्त से 5 सितंबर के बीच दक्षिणी ध्रुव पर धूप निकलेगी, जिसकी मदद से चंद्रयान का रोवर चार्ज हो सकेगा और अपने मिशन को अंजाम देगा।

प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार द्वारा निजी अंतरिक्ष प्रक्षेपण और संबंधित उपग्रह-आधारित व्यवसायों में निवेश को बढ़ावा देने के लिए नीतियों की घोषणा के बाद से भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) द्वारा लॉन्च देश का पहला बड़ा मिशन है। 2020 के बाद से, जब भारत निजी लॉन्च के लिए खुला, अंतरिक्ष स्टार्ट-अप की संख्या दोगुनी से अधिक हो गई है। भारत ने, हाल के वर्षों में, खुद को वाणिज्यिक अंतरिक्ष संचालन के एक प्रमुख आपूर्तिकर्ता के रूप में मजबूत किया है, जिसमें नवंबर 2022 में प्रारंभ नामक मिशन के हिस्से के रूप में अपने पहले निजी तौर पर विकसित रॉकेट, विक्रम-एस का प्रक्षेपण भी शामिल है, जिसका अर्थ है शुरुआत।

भारत चाहता है कि उसकी अंतरिक्ष कंपनियां अगले दशक के भीतर वैश्विक प्रक्षेपण बाजार में अपनी हिस्सेदारी पांच गुना बढ़ा लें, जो 2020 में राजस्व के मामले में 2 प्रतिशत से अधिक है। भारत छोटे उपग्रहों को लॉन्च करने में अनुभवी है और इस बाजार पर कब्जा करने की कोशिश कर रहा है। खुद को उपग्रह प्रक्षेपण सुविधा के रूप में पेश करना है, भारत ने यूके स्थित उपग्रह कंपनी वनवेब के लिए 36 इंटरनेट उपग्रहों को सफलतापूर्वक कक्षा में स्थापित किया है। भारत अंतरिक्ष को एक रणनीतिक संपत्ति के रूप में देखता है और इसका लक्ष्य बाहरी अंतरिक्ष में अग्रणी खिलाड़ियों में से एक बनना है। यह भारत के लिए इस उद्योग में अग्रणी बनने का अवसर हो सकता है।

सांप और साधुओं का देश कहा जाने वाला भारत आज स्पेस टेक्नोलॉजी में दुनिया के ताकतवर देशों के साथ खड़ा है। भारत चंद्रयान-3 मिशन के साथ चंद्रमा पर सफलतापूर्वक सॉफ्ट लैंडिंग करने वाला चौथा देश बन गया है। चंद्रयान-3 अंतरिक्ष यान का रोवर चांद की सतह का अध्ययन करेगा और यह लैंडर के अंदर बैठकर गया है। लैंडर के मिशन की पूरी अवधि एक चंद्र दिवस की रहने वाली है, जो पृथ्वी के 14 दिन के बराबर है। पिछली बार क्रैश लैंडिंग हुई थी। पर इस बार अमेरिका, रूस और चीन के बाद भारत चांद की सतह पर लैंड करने वाला चौथा देश बन गया है। 'स्पेस' के क्षेत्र में हमारी विशेषज्ञता में जबर्दस्त इजाफा हुआ है। भारत के चंद्रयान-3 को सॉफ्ट लैंडिंग में सफलता से भारत ऐसा करने वाला दुनिया का चौथा देश तो बना ही है साथ ही दक्षिणी ध्रुव के इलाके में लैंडिंग कराने वाला दुनिया का पहला देश बन गया है।

महत्त्वपूर्ण
Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company,6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**, (*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2015-2017 posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।- दक्षिण भारत राष्ट्रमत

पुतिन ने दक्षिण अफ्रीका में आर्थिक शिखर सम्मेलन के दौरान रूस पर प्रतिबंधों की निंदा की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जोहानिसबर्ग। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने अपने देश पर अवैध प्रतिबंधों को लेकर दक्षिण अफ्रीका में एक आर्थिक शिखर सम्मेलन के उद्घाटन के दिन पश्चिमी देशों पर निशाना साधा और यूक्रेन के अनाज निर्यात को स्थायी रूप से बंद करने की चेतावनी दी।

सम्मेलन के दौरान पुतिन का पहले से रिकॉर्ड भाषण बड़े स्क्रीन पर प्रसारित किया गया। यूक्रेन में युद्ध के कारण अंतरराष्ट्रीय अदालत ने पुतिन के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी कर रखा है जिसके चलते वह ब्रिक्स के शिखर सम्मेलन के लिए जोहानिसबर्ग नहीं आए हैं।

पहले से रिकॉर्ड किया गया 17 मिनट का पुतिन का भाषण यूक्रेन में युद्ध और पश्चिमी देशों के साथ रूस के संबंधों पर केंद्रित था। हालांकि दक्षिण अफ्रीकी अधिकारियों ने कहा था कि पूर्व-पश्चिम का टकराव कोविड-19 महामारी के बाद पहली बार प्रत्यक्ष तरीके से आयोजित हो रहे ब्रिक्स शिखर सम्मेलन पर हावी नहीं होना चाहिए।

पुतिन ने कहा कि दुनिया की खाद्य आपूर्ति के लिए महत्वपूर्ण यूक्रेनी अनाज लदान की सुविधा को लेकर युद्धकालीन समझौता तब तक फिर से शुरू नहीं होगा जब तक कि उनकी शर्तें- रूसी खाद्य और कृषि उत्पादों पर प्रतिबंधों में ढील- पूरी नहीं हो जातीं। उन्होंने कहा कि यूक्रेन में सेना भेजने को लेकर रूस को दंडित करने और आर्थिक रूप से अलग-थलग करने के पश्चिमी देशों के प्रयास मुक्त व्यापार के सभी बुनियादी मानदंडों और नियमों को रौंदने के बराबर हैं। रूस ने जुलाई में काला सागर से अनाज आपूर्ति की पहल से हाथ खींच लिया था और दक्षिणी यूक्रेन के ओडेसा शहर पर ड्रोन और मिसाइल हमले तेज कर दिए, जो समझौते में शामिल बंदरगाहों में से एक का ठिकाना है। अमेरिका और अन्य पश्चिमी देशों ने सीधे तौर पर रूसी कृषि निर्यात को लक्षित नहीं किया है, लेकिन कुछ प्रतिबंधों के कारण अंतरराष्ट्रीय वित्तीय भुगतान प्रणालियों तक रूस की पहुंच को प्रतिबंधित करने के कदमों ने देश के लिए भोजन, उर्वरक और अन्य उत्पादों का बाजार में पहुंचना मुश्किल बना दिया है।

पुतिन ने कहा, इन तथ्यों को ध्यान में रखते हुए 18 जुलाई से हमने तथाकथित समझौते को आगे बढ़ाने से इनकार कर दिया। रूस के राष्ट्रपति ने कहा, हम इस (समझौते) पर वापस आने के लिए तैयार होंगे, लेकिन तभी जब रूसी पक्ष के प्रति सभी दायित्व वास्तव में पूरे होंगे।

चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग ने भी जोहानिसबर्ग शिखर सम्मेलन को संबोधित किया। पुतिन के संबोधन के कुछ मिनट बाद चिनफिंग ने कहा कि कुछ देश, अपना दबदबा बनाए रखने के जुनून में उभरते बाजारों और विकासशील देशों को पंगु बनाने का रास्ता अपना रहे हैं।

चीनी वाणिज्य मंत्री वांग वेन्ताओ ने चिनफिंग का भाषण देते हुए कहा, जो कोई भी तेजी से विकास कर रहा है वह उसके प्रतिबंध का लक्ष्य बन जाता है। जो कोई भी आगे बढ़ रहा है, वह रुकावटों का निशाना बन जाता है। चिनफिंग के भाषण में परोक्ष रूप से अमेरिका का संदर्भ दिया गया। शी चिनफिंग शिखर सम्मेलन के लिए दक्षिण अफ्रीका पहुंचे हैं और उन्होंने मंगलवार को दक्षिण अफ्रीका के राष्ट्रपति सिरिल रामफोसा से मुलाकात की।

रामफोसा ने भारत को सफल चंद्रयान-3 मिशन के लिए दी बधाई, और चीते देने का वादा किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जोहानिसबर्ग/भाषा। दक्षिण अफ्रीका के राष्ट्रपति सिरिल रामफोसा ने बुधवार को यहां ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के संबोधन पर प्रतिक्रिया देते हुए उपनिवेशवाद से देश की आजादी में महात्मा गांधी की भूमिका, चंद्रयान-3 मिशन की सफलता, भारत को और चीता देने के वादे और पारंपरिक औषधियों के भंडार पर बात की।

मोदी दक्षिण अफ्रीका के राष्ट्रपति रामफोसा के निमंत्रण पर 22-24 अगस्त के बीच जोहानिसबर्ग में आयोजित 15वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए तीन दिवसीय यात्रा पर मंगलवार को यहां पहुंचे।

रामफोसा ने कहा, हम दक्षिण अफ्रीका की तरफ से आपका आभार व्यक्त करना चाहते हैं, खासतौर से हमें उस यात्रा के बारे में याद दिलाने के लिए जो महात्मा गांधी ने यहां दक्षिण अफ्रीका में शुरू की थी और दक्षिण अफ्रीका में हमारे पूर्वजों को संघर्षों के तरीकों के बारे में सिखाया था। दक्षिण अफ्रीका में महात्मा गांधी के योगदान की प्रशंसा करते हुए रामफोसा ने कहा, गांधी ऐसे व्यक्ति थे जो प्रतिरोध के प्रति दृढ़ थे। रामफोसा ने कहा, उन्होंने (गांधी) हमें निष्क्रिय प्रतिरोध सिखाया जिसमें वह माहिर थे और हम रंगभेद व्यवस्था के खिलाफ बहिष्कार के विभिन्न तरीकों की ओर बढ़ें। इसने हमारे लोगों को रंगभेद के खिलाफ एकजुट किया और अंतत: इसे पराजित किया, इसलिए महात्मा गांधी ने दक्षिण अफ्रीका के इतिहास में बहुत महत्वपूर्ण भूमिका निभायी है। उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी द्वारा ब्रिक्स देशों से अंतरिक्ष अन्वेषण में सहयोग का आह्वान किए जाने पर प्रतिक्रिया देते हुए भारत के चंद्रयान-3 की चंद्रमा पर सफल लैंडिंग की भी प्रशंसा की। उन्होंने कहा, हम भारत को बधाई देना चाहते हैं, खासतौर से जब आपने अंतरिक्ष में सहयोग की आवश्यकता के बारे में बात की है। हम आपको बधाई देते हैं। ब्रिक्स परिवार के तौर पर यह हमारे लिए एक ऐतिहासिक क्षण है और हम इस महान उपलब्धि की खुशी में आपके साथ हैं। हम यह प्रस्ताव रखने के लिए भी आपका शुक्रिया अदा करना चाहते हैं कि एक ब्रिक्स अंतरिक्ष सहयोग व्यवस्था होनी चाहिए जो कि बहुत ही दूरदर्शी प्रस्ताव है। मोदी ने अपने संबोधन में कहा कि सभी देशों को चीतों के संरक्षण के लिए और अधिक प्रयास करने चाहिए। इसके संदर्भ में रामफोसा ने इस साल की शुरुआत में भारत को दिए चीतों का जिक्र किया।

रामफोसा ने मोदी से कहा, दक्षिण अफ्रीका को भारत को चीते दान में देने की खुशी है और आपने मुझे बताया कि चीते सकुशल भारत पहुंच गए और जीवित हैं तथा मैंने आपसे कहा कि हम और चीते दान देने के लिए तैयार हैं क्योंकि आपका देश चीतों की देखभाल करता है। उन्होंने कहा, अत: अगर आपको और चीतों की आवश्यकता है तो आप चीतों के घर आ गए हैं।

प्रधानमंत्री मोदी ने ब्रिक्स देशों में इस्तेमाल होने वाली पारंपरिक दवाओं के भंडारण का भी प्रस्ताव रखा। रामफोसा ने कहा, हमारे पास एक बड़ा समुदाय है जो यहां दक्षिण अफ्रीका में पारंपरिक दवाओं से जुड़ा है इसलिए हम इसमें सहयोग करने के इच्छुक हैं और मुझे विश्वास है कि ब्रिक्स के अन्य सभी सदस्य भी ऐसा चाहते हैं।

चंद्रयान-3: कार्तिकेय और मल्लिका साराभाई ने अपने पिता को याद किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अहमदाबाद/भाषा। भारतीय अंतरिक्ष कार्यक्रम के जनक और भौतिक विज्ञानी विक्रम साराभाई के बेटे कार्तिकेय साराभाई और पुत्री मल्लिका साराभाई ने बुधवार को कहा कि चंद्रयान-3 परियोजना 'नये भारत' को प्रतिबिंबित करती है और प्रत्येक नागरिक को इस पर गर्व है।

भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने विक्रम साराभाई को श्रद्धांजलि स्वरूप चंद्रयान-3 के लैंडर का नाम 'विक्रम' रखा है।

लैंडर 'विक्रम' रोवर 'प्रज्ञान' के साथ बुधवार शाम को चंद्रमा की सतह पर उतरने की तैयारी में है। भारत इस उपलब्धि को हासिल करने वाला चौथा और चंद्रमा के अब तक अज्ञात दक्षिणी ध्रुव पर पहुंचने वाला पहला देश होगा। पर्यावरण विज्ञानी कार्तिकेय ने कहा, यह हम सभी के लिए, न केवल भारतीयों बल्कि दुनियाभर के लिए महान दिन है क्योंकि कोई अभी तक चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर नहीं पहुंच सका है। लोगों ने पहले भी कोशिश की है, लेकिन विफल रहे। वहां अलग स्वरूप में पानी होने की संभावना है। उन्होंने कहा, यह हमारे लिए गौरवपूर्ण अनुभव है क्योंकि लैंडर का नाम विक्रम साराभाई के नाम पर है। लेकिन यह हम सभी के लिए गर्व की बात है, न केवल उनके परिवार के लिए। इस लैंडर के विभिन्न घटक विभिन्न लोगों ने बनाये हैं। इसलिए इसमें वास्तव में भारत का बड़ा हिस्सा समाहित है। पूरे देश के वैज्ञानिक शामिल हैं। यह नये भारत को प्रतिबिंबित करता है।

कार्तिकेय ने कहा कि उनके पिता दूसरों का अनुसरण करने के बजाय उनसे सीखने में भरोसा करते थे। उन्होंने कहा कि चंद्रयान-2 विफल नहीं हुआ था क्योंकि यह अब भी चंद्रयान-3 की मदद कर रहा है।

विक्रम साराभाई की पुत्री मल्लिका साराभाई ने कहा कि भारत का चंद्र अभियान पूरी मानवता के लिए आगे का एक कदम है। उन्होंने 'पीटीआई-भाषा' से कहा, मैं प्रयास और विज्ञान में विश्वास करती हूं। मेरा मानना है कि इसरो के वैज्ञानिकों ने कठोर परिश्रम किया है और इससे मेरे पिता का एक सपना पूरा होगा।

फिल्म 'सुखी' 22 सितंबर को प्रदर्शित होगी

मुंबई/भाषा

शिल्पा शेट्टी अभिनीत फिल्म ''सुखी'' 22 सितंबर को देश भर के सिनेमाघरों में प्रदर्शित होगी। निर्माताओं ने बुधवार को इसकी जानकारी दी। सुखी एक मजेदार मनोरंजक सिनेमा है और इसका निर्देशन फिल्म निर्माता सोनल जोशी ने किया है । इसका निर्माण टी-सीरीज और अबुंदंतिया इन्टरटेनमेंट ने किया है। फिल्म में शिल्पा सुखप्रीत 'सुखी' कालरा की मुख्य भूमिका में नजर आयेंगी । फिल्म निर्माताओं ने बयान जारी कर बताया कि फिल्म की कहानी राधिका आनंद ने लिखी है, जबकि पटकथा पॉलोमी दत्ता ने लिखी है। शिल्पा के अलावा इसमें कुशा कपिला, दिलनाज़ ईरानी, पवलीन गुजराल, चैतन्य चौधरी और अमित साध भी नजर आएंगे।

'कांतारा-2' पर पानी की तरह बहेगा पैसा, कमाई की उम्मीद 600 करोड़

मुंबई/एजेन्सी

कन्नड़ फिल्म स्टार ऋषभ शेट्टी के डायरेक्शन में ही बनी उनकी ब्लॉकबस्टर मूवी कांतारा के प्रीक्वल को लेकर एक दिलचस्प जानकारी हाथ लगी है। खबर है कि साउथ सिनेमा के जाने-माने स्टार और डायरेक्टर ऋषभ शेट्टी ने अपनी अपकमिंग मूवी कांतारा 2 के बजट में भारी बढ़ोतरी कर दी है। जिसके बाद फिल्म इंडस्ट्री में खासी हलचल बढ़ गई। वर्ल्डवाइड करीब 400 करोड़ रुपये कमा लेने के बाद कांतारा के प्रीक्वल का दर्शकों को बेसब्री से इंतजार है। इस मूवी का ऐलान कांतारा के ब्लॉकबस्टर होते ही कर दिया गया था। जिसके साथ ही मूवी प्री-प्रोडक्शन में चली गई थी। मूवी के हिट होते ही निर्देशक ऋषभ शेट्टी ने प्रीक्वल की स्क्रिप्ट तैयार करनी शुरू कर दी थी। अब इस फिल्म जल्दी ही शूटिंग स्टेज पर पहुंचने वाली है।

प्राप्त समाचारों के अनुसार ऋषभ शेट्टी के निर्देशन में बनी फिल्म कांतारा के प्रीक्वल की शूटिंग इसी साल नवंबर महीने से शुरू हो जाने वाली है। कांतारा-2 में निर्माता-निर्देशक इस फिल्म के पहले की कहानी दिखाने वाले हैं। जिसे लेकर अभी से ही लोग उत्सुक हैं। सबसे बड़ी हैरानी इसी बात को लेकर है। मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो कांतारा 2 को पहले से भी ज्यादा भव्य और विशाल बनाने के लिए निर्माता-निर्देशकों ने इस मूवी के प्रीक्वल पर मोटा खर्च करने की तैयारी की है। लेटेस्ट रिपोर्ट्स के मुताबिक कांतारा 2 के लिए निर्माताओं ने पूरा 125 करोड़ रुपये बजट रखा है। जो कांतारा की मेकिंग कॉस्ट से कहीं ज्यादा है।

इससे पहले निर्देशक ऋषभ शेट्टी की मूवी कांतारा को मेकर्स ने कुल 20 करोड़ रुपये के ही बजट में बनाया था।

मात्र 20 करोड़ रुपये के बजट में बनी इस फिल्म ने वर्ल्डवाइड स्तर पर करीब 400 करोड़ रुपये कमा डाले थे। अकेले हिंदी बेल्ट में ही बिना किसी बज के ये मूवी 80 करोड़ से ज्यादा की रकम कमा ले गई थी। यही वजह है कि मूवी के दूसरे पार्ट के लिए हिंदी दर्शक भी उत्सुक हैं। लोगों के इस प्यार को देखते हुए निर्माता-निर्देशक फिल्म की मेकिंग में कोई कोर-कसर नहीं छोड़ना चाहते। कांतारा की सफलता को लेकर निर्माता निर्देशक अभिनेता ऋषभ शेटटी पूरी तरह से आश्वस्त नजर आ रहे हैं। उन्हें उम्मीद है कि कांतारा-2 बॉक्स ऑफिस पर 600 करोड़ का कारोबार करने में सफल हो सकती है। शायद इसी को ध्यान में रखते हुए इसका बजट इतना बढ़ा दिया गया है।

'गदर-2' में अपनी भूमिका के लिये दर्शकों से मिल रहे प्यार से खुश हैं गौरव चोपड़ा

मुंबई/वार्ता

बॉलीवुड अभिनेता गौरव चोपड़ा फिल्म गदर 2 में अपनी भूमिका के लिये दर्शकों से मिल रहे प्यार से खुश हैं। गदर 2 में गौरव चोपड़ा ने लेफ्टिनेंट कर्नल देवेंद्र रावत की भूमिका निभायी है, जिसे दर्शक पसंद कर रहे हैं। गौरव चोपड़ा ने कहा, पेशेवर तौर पर यह मेरे लिए एक सुनहरा दौर है। भगवान दयालु हैं और मुझे खुशी है कि मेरी कड़ी मेहनत और निर्णय लेने की क्षमता अच्छा काम कर रही है।

कोविड-19 लॉकडाउन के बाद, मैंने अलग और विविध भूमिकाएं करने का फैसला किया और यही वजह है दर्शकों को मुजे बच्चन पांडे और राणा नायडू में देखने का मौका मिला। दोनों किरदार एक-दूसरे से बिल्कुल अलग थे और जब राणा नायडू में प्रिंस के किरदार ने मुझे दो बड़े पुरस्कार भी दिलाए तो मैं बहुत विनम्र हुआ। तो स्वाभाविक रूप से, सिर्फ दर्शक ही नहीं, यहां तक कि मुझे खुद भी गदर 2 से बहुत उम्मीदें थीं और आखिरकार, यह सब एक साथ हो रहा है।

गौरव चोपड़ा ने कहा, एक कलाकार के रूप में, मैं इससे अधिक की उम्मीद नहीं कर सकता था। मैं दर्शकों की प्रतिक्रिया से अभिभूत हूं, यह मेरे लिए सफल परियोजनाओं की हैट्रिक है और जो बात मुझे खुश करती है वह यह है कि वे सभी एक-दूसरे से बहुत अलग हैं। एक सेना अधिकारी के रूप में मेरे व्यवहार से लेकर स्क्रीन पर मेरे द्वारा पेश की गई गंभीरता तक मुझे बहुत सारी प्रशंसा मिली है। इन सबके पीछे बहुत सारी खोज और कड़ी मेहनत लगी हुई है और मुझे खुशी है कि आखिरकार, यह सब सफलता का मार्ग प्रशस्त कर रहे है। गदर 2 की सफलता और गदर 2 में मेरे किरदार के लिए मुझे जो प्यार और सराहना मिली है, वह मुझे और भी बेहतर और कठिन भूमिकाएं करने के लिए प्रेरित करती है।

मुझे खुद को चुनौती देना पसंद है क्योंकि इससे मेरा सर्वश्रेष्ठ सामने आता है। इसलिए, मैं अपने दर्शकों को उनके प्यार के लिए तहे दिल से धन्यवाद कहना चाहता हूं और मैं चाहता हूं कि वे मेरे अगले उद्यम के लिए तैयार रहें जहां मैं अच्छा काम जारी रखने और अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने की योजना बना रहा हूं। समर्थन करते रहें। मेरे दर्शक ही मेरे अभिनय का कारण हैं। सभी को बहुत-बहुत धन्यवाद।

'खलनायक-2' संजय दत्त को लेकर बनाएंगे सुभाष घई

मुंबई/वार्ता

बॉलीवुड के जानेमाने फिल्मकार सुभाष घई, संजय दत्त को लेकर खलनायक 2 बनायेंगे। सुभाष घई ने वर्ष 1993 में संजय दत्त, माधुरी दीक्षित और जैकी श्राफ जैसे सितारों को लेकर सुपरहिट फिल्म खलनायक बनायी थी। सुभाष घई अब खलनायक 2 बनाने जा रहे हैं।

सुभाष घई ने सोशल मीडिया अकाउंट पर एक पोस्ट शेयर करते हुए लिखा, यदि मीडिया आज भी 'खलनायक' के बारे में बात कर रहा है और यंग जनरेशन संजय दत्त के किरदार बल्लू बलराम के साथ कनेक्ट करते हुए इसका सीक्वल बनाने की मांग कर रहे हैं। तो हमारे पास डबल एनर्जी के साथ 'खलनायक 2' ना बनाने की कोई वजह ही नहीं हैं। सुभाष घई फिल्म खलनायक को 04 सितंबर को इसे सिनेमाघरों में री-रिलीज भी करेंगे। खलनायक 100 से ज्यादा स्क्रीन्स पर री-रिलीज होगी।

कंटेंट के महत्व को अच्छे से समझता है ओटीटी : अदिति राव हैदरी

मुंबई/वार्ता। 'दिल्ली 6', 'जुबली', 'भूमि', 'ताज : डिवाइडेड बाय ब्लड' और कई अन्य फिल्मों में अपने काम के लिए जानी जाने वाली एक्ट्रेस अदिति राव हैदरी को लगता है कि ओटीटी कंटेंट के महत्व पर जोर देता है और कलाकारों को क्रिएटिव करने की आजादी देता है। अदिति ने पीरियड ड्रामा 'ताज : डिवाइडेड बाय ब्लड' में अनारकली के रूप में अपने परफॉर्मेंस से दिल जीता। एक्ट्रेस ने हाल ही में कतर, दुबई और अबू धाबी में अपने फैंस के साथ मुलाकात की। आइकॉनिक किरदार निभाने के अपने एक्सपीरियंस साझा करते हुए अदिति ने कहा, ''ओटीटी के बारे में एक बात जो मुझे पसंद है, वह यह है कि यह राइटर्स, एक्टर्स और डायरेक्टर्स के लिए ज्यादा क्रिएटिविटी प्रदान करता है। यह कंटेंट के महत्व को समझता है। यही कारण है, मैंने 'ताज : डिवाइडेड बाय ब्लड' पर काम करने का फैसला किया।'' अनारकली की भूमिका के लिए प्रसिद्ध एक्ट्रेस मधुबाला से तुलना की जाने वाली स्टार ने यह भी उल्लेख किया कि इसके लिए साइन अप करते समय उन्हें पता था कि ये बड़ी जिम्मेदारियां हैं। एक्ट्रेस के पास वर्तमान में जी5 ग्लोबल पर टाइटल्स की एक रोमांचक लाइब्रेरी है, जिसमें रोमांस ड्रामा 'दास देव', मलयालम थ्रिलर 'साइको' और रणबीर कपूर-स्टारर ट्रैजेडी रोमांस 'रॉकस्टार' जैसी फिल्में शामिल हैं।

फिल्म 'क्रैक' में काम करेंगी नोरा फतेही!

मुंबई/वार्ता। बॉलीवुड अभिनेत्री नोरा फतेही स्पोटर्स-एक्शन फिल्म क्रैक में काम करती नजर आ सकती हैं। नोरा फतेही ने हाल ही में आयुष्मान खुराना की फिल्म एक्शन हीरो में कैमियो भूमिका निभाई और उनके पास कई प्रोजेक्टस हैं। नोरा ,विद्युत जामवाल के साथ फिल्म क्रैक मे काम करती नजर आ सकती है नोरा फतेही 100% नाम की एक कॉमेडी फिल्म में दिखाई देने वाली हैं, जहां वह शहनाज गिल और रितेश देशमुख के साथ स्क्रीन साझा करेंगी। इसके अलावा उन्होंने कुणाल खेमू की मडगांव एक्सप्रेस की शूटिंग पूरी कर ली है, जिसमें वह प्रतीक गांधी और दिव्येंदु शर्मा के साथ हैं।

'वेलकम-3' में दिखेगी रवीना टंडन और अक्षय कुमार की जोड़ी

मुंबई/एजेन्सी

पॉपुलर कॉमेडी फ्रेंचाइजी फिल्म 'वेलकम' के तीसरे पार्ट यानी वेलकम-3 इन दिनों चर्चा में बनी हुई है। बीते दिनों फिल्म 'वेलकम 3' के टाइटल और रिलीज डेट का अनाउंसमेंट किया गया था। ये फिल्म 'वेलकम टू जंगल' के नाम से साल 2024 के क्रिसमस पर सिनेमाघरों में रिलीज की जाएगी। इसी बीच फिल्म 'वेलकम 3' की स्टारकास्ट को लेकर नया अपडेट सामने आया है और इस फिल्म में एक और एक्ट्रेस को कास्ट करने की खबर आई है।

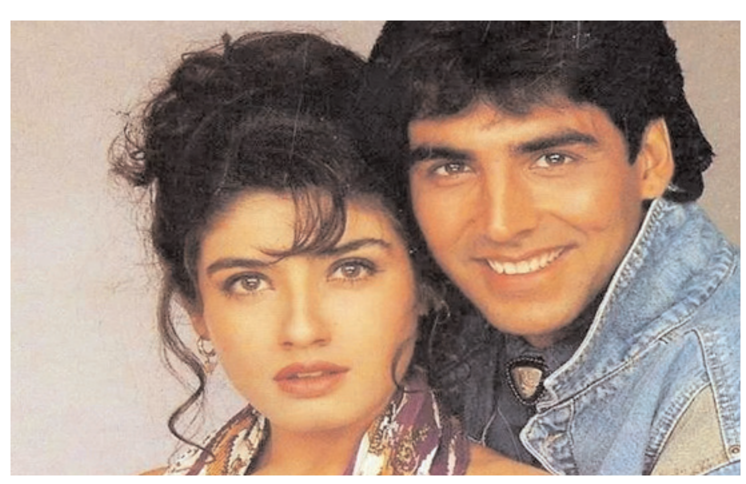

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, फिल्म 'वेलकम 3' में अब रवीना टंडन को भी शामिल कर लिया गया है। गौरतलब है कि अक्षय कुमार और रवीना टंडन के अफेयर के किस्से बॉलीवुड इंडस्ट्री में काफी चर्चित रहे हैं। हालांकि, दोनों का रिश्ता शादी तक नहीं पहुंच पाया और दोनों के रास्ते अलग हो गए थे। अक्षय कुमार ने ट्विंकल खन्ना के साथ शादी और रवीना टंडन ने अनिल थडानी के साथ शादी कर ली। वहीं, अक्षय कुमार और रवीना टंडन की जोड़ी को फिल्मों में खूब पसंद किया जाता था और दोनों ने कई बार स्क्रीन स्पेस शेयर किया है। साल 2004 में फिल्म 'आन: मेन एट वर्क' के बाद अक्षय कुमार और रवीना टंडन ने एक साथ काम नहीं किया है। अब खबर आ रही है कि दोनों फिर से काम करने जा रहे हैं। 'फिल्मफेयर' की रिपोर्ट के मुताबिक, अक्षय कुमार और रवीना टंडन फिल्म 'वेलकम 3' में नजर आने वाले हैं। अगर ऐसा होता है तो 19 साल बाद दोनों की जोड़ी फिर फिल्म में नजर आएगी।

फिल्म 'वेलकम 3' की स्टारकास्ट को लेकर तमाम खबरें सामने आती रहती हैं। फिल्म 'वेलकम 3' की स्टारकास्ट को लेकर कहा जा रहा है कि नाना पाटेकर और अनिल कपूर इस बार नहीं नजर आएंगे। बताया जा रहा है कि फिल्म 'वेलकम 3' में इन दोनों स्टार्स की जगह संजय दत्त और अरशद वारसी को लिया गया है। वहीं, ये भी खबर है कि फिल्म में अक्षय कुमार के साथ संजय दत्त और अरशद वारसी के अलावा सुनील शेट्टी और बॉबी देओल भी नजर आने वाले हैं। हालांकि, मेकर्स ने फिल्म की स्टारकास्ट को लेकर ऑफिशियल अनाउंसमेंट नहीं किया है।

RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2018-2020
Posted at Bengaluru PSO
Mysore Road Bengaluru-560 026.

शहर के वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक संघ अक्कीपेट के तत्वावधान में अक्कीपेट स्थानक में विराजित साध्वी डॉ प्रतिभाश्रीजी म. सा. ने अपने प्रवचन में कहा कि पुण्य सोने की बेड़ी है और पाप लोहे की बेड़ी है। जीव पाप कार्य करके कर्मों का बंध करता है।

‘धैर्य मनुष्य के व्यक्तित्व को ऊंचा उठाने का एक उत्तम गुण है’

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के राजाजीनगर स्थित शंखेश्वर पार्श्वनाथ जैन मंदिर में चातुर्मासार्थ विराजित पन्यासश्री भक्तिरत्नविजयजी, मुनिश्री भाग्यचंद्रविजयजी व बालमुनिश्री भक्तिदर्शनजी ने कहा कि सहनशीलता को धृति या धैर्य कहा जाता है। विषम परिस्थितियां उत्पन्न हो जाने पर भी मन में चिंता, शोक और उदासी उत्पन्न न होने देने का गुण धैर्य है। धैर्य मनुष्य के व्यक्तित्व को ऊंचा उठाने का एक उत्तम गुण है। धैर्यवान व्यक्ति विपत्ति आने पर भी अपना मानसिक संतुलन बनाए रखता है और शांतचित्त होकर इस पर नियंत्रण करते हुए दुख से बचने का सरल मार्ग खोज लेता है। सुख-दुख, जय-पराजय, हानि लाभ, आदि अनेक ऐसे द्वंद्व हैं, जो जीवन में अनुकूलता या प्रतिकूलता का अनुभव कराते रहते हैं। द्वंद्वों पर विजय पाने के लिए किया गया पुरुषार्थ एक प्रकार का तप है। इन द्वंद्वों पर विजय पाने के बाद व्यक्ति धीर पुरुष बन जाता है। इस गुण के कारण वह सुख के समय प्रसन्नता से गदगद नहीं होता और न दुख में हताश होकर बैठता है बल्कि हर एक अवस्था में समान रूप से कार्यशील बना रहता है। धैर्य के गुण को प्राप्त करके मनुष्य में असाधारण सामर्थ्य आ जाता है। वह न केवल अपने लक्ष्यों को अविचल रूप से प्राप्त करता जाता है, बल्कि दूसरों को उचित सलाह देने के लिए भी सदा तत्पर रहता है। गीता में मनुष्य के इस गुण को दैवीय संपदा बताया गया है। इस गुण के अभाव में मनुष्य अधार्मिक कर्मों का शिकार होने लगता हे ऐसे में समाज में आसुरी वृत्तिबढ़ती जायेगी। समाज में मानवीय मूल्यों की रक्षा के लिए हमें धैर्यशाली बनना चाहिए।

संतश्री ने कहा कि मनुष्य को जीवन मार्ग पर चलते हुए अनेक कष्टों का सामना करना पड़ता है, अनेक संघर्ष करने पड़ते हैं, परंतु इनका सामना धीरज रख कर ही किया जा सकता है।

सामान्य परिस्थितियों में तो जीवन यथावत चलता रहता है, परंतु धैर्य की परीक्षा विपत्तिआने पर ही होती है,साधना आरधना में हमें परमात्मा कि तरह धीर गंभीर बनना पड़ेगा। इसीलिए संत तुलसीदास ने उचित ही कहा है, धीरज, धर्म, मित्र और नारी यानी इन चारों को आपातकाल में परखना चाहिए। हर इंसान के जीवन में धैर्य का गुण होना आवश्यक है।

रक्तदान शिविर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

मारवाड़ी युवा मंच बेंगलूरु स्टार्स शाखा ने नारायण हृदयालय के साथ मिलकर एएमसी कॉलेज बन्नरघट्टा रोड पर रक्त शिविर का आयोजन किया जिसमें 70 यूनिट रक्त एकत्र किया गया। कार्यक्रम के संयोजक के अर्चित बजाज और पुनीत गोयल सहयोग दिया तथा सभी के प्रति आभार जताया।

शारदादेवी जैन ने संल्लेखना व्रत धारण किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। दिगम्बर आचार्यश्री चंद्रप्रभुसागरजी के शिष्य मुनिश्री वीरसागरजी ने लालबाग डबल रोड निवासी 84 वर्षीय शारदादेवी धर्मपत्नी स्व. सुरेशचन्द्र जैन(लमेचेवाल) ने रविवार को नियम संल्लेखना व्रत धारण करते हुए मोक्ष मार्ग की ओर अपने कदम बढ़ाए है।

उनके पुत्र योगेश, डॉ राजेश ने बताया कि शारदादेवी धार्मिक प्रवृत्ति की महिला हैं और हमेशा गुरु व धर्मसाधना में लीन रहती हैं। शारदादेवी के डबल रोड स्थित केएच रोड जंक्शन पर उनके निवास पर उनके दर्शनार्थ व तपस्या के अनुमोदनार्थ श्रद्धालुओं की भीड़ लगी है। शांतिनाथ दिगंबर जैन मंदिर से यह विज्ञप्ति प्राप्त हुई

दो दिवसीय सामाजिक अधिवेशन एवं कैरियर कॉउंसलिंग कार्यक्रम 26 से

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। चेतबंदे हिंदी मासिक पत्रिका के तत्वावधान में दो दिवसीय सामाजिक अधिवेशन एवं कैरियर काउंसलिंग कार्यक्रम 26 एवं 27 अगस्त को सीरवी सेवा संघ ट्रस्ट लिंगराजपुरम में आयोजित होगा।

इस आयोजन में आई पंथ के धर्मगुरु दीवानश्री माधवसिंहजी की उपस्थिति होंगी। मुख्य अतिथि के रूप में शिक्षा विभाग, राजस्थान के निदेशक कानाराम चोयल, विशिष्ट अतिथि के रूप में आईएएस सुनील सीरवी, आईआरएस विनोद सीरवी, आईईएस धर्मेंद्र सीरवी व एलन कैरियर इंस्टिट्यूट के वरिष्ठ उपाध्यक्ष सीआर चौधरी उपस्थित होंगे। इस अनूठे आयोजन में विभिन्न सामाजिक मुद्दों पर चर्चा होगी। सीरवी समाज के विभिन्न बडेरों के पदाधिकारी, अधिकारी, युवा, महिलाएं, समाज चिंतक समाज के नवनिर्माण को लेकर चिंतन-मंथन करेंगे। 27 को विद्यार्थियों के लिए कैरियर कांउसलिंग कार्यक्रम आयोजित होगा। यह दो दिवसीय कार्यक्रम सुबह 10 बजे से लेकर शाम 5 बजे तक दो सत्रों में आयोजित

होगा। चेत बंदे पत्रिका के संपादक प्रेम किशोर बर्फा ने यह जानकारी दी है।

‘जीव जैसा कर्म करता है वैसा ही भोगता है’

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक संघ अक्कीपेट के तत्वावधान में अक्कीपेट स्थानक में विराजित साध्वी डॉ प्रतिभाश्रीजी म. सा. ने अपने प्रवचन में कहा कि पुण्य सोने की बेड़ी है और पाप लोहे की बेड़ी है। जीव पाप कार्य करके कर्मों का बंध करता है। यह नहीं सोचता कि मुझे इसका भुगतान करना पड़ेगा। कर्मों का भुगतान करने में देर हो सकती है पर अंधेर नहीं हो सकती। जैन धर्म पूरा कर्म सिद्धांत के ऊपर टीका हुआ है । जीव जैसा कर्म करता हैं वैसा ही भोगता हैं । हम लोग नौ प्रकार से पुण्य का बंध कर सकते हैं। जिसमें सबसे पहला है अन्नपुण्य। हमें भोजन करते समय मन में यह भावना रखनी चाहिए कि कोई संत, महात्मा, सन्यासी या अतिथि मेरे घर पर आए और मैं उनको भोजन करवाऊं फिर मैं खाना खाऊं। हमें अधिक से अधिक पुण्य से काम करने चाहिए ताकि हमारे आगे के भव सुख करीबन सके। इससे पूर्व साध्वी ऋषिताश्रीजी ने कहा कि अगर हमें हमारा जीवन श्रेष्ठ बनाना है हमें अच्छा जीवन जीना है तो हमें तीन चीजों का नशा छोड़ना होगा। मदिरा, वासना और संपत्ति। इन तीनों वस्तुओं का नशा छोड़कर हमें अपना जीवन परमात्मा की भक्ति में लगाना होगा तभी हमारा जीवन सुंदर बन सकता है। साध्वी प्रियांगीश्रीजी ने चातुर्मास संबंधी सूचनाएं प्रदान की। राजाजीनगर से त्रिशला महिला मंडल की सदस्याएं उपस्थित थी । सहमंत्री विनोद भूरट ने संचालन किया।

श्रीयंत्र महालक्ष्मी महापूजन से समस्त विघ्नों का होता है नाश : साध्वी भव्यगुणाश्री

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के सिमंधरस्वामी राजेंद्रसूरी ट्रस्ट मामुलपेट के तत्वावधान में आयोजित चातुर्मास में गुरु राजेन्द्र भवन किलारी रोड में विराजित साध्वी भव्यगुणाश्रीजी ने श्रीयंत्र महालक्ष्मी महापूजन वरमालक्ष्मी महानुष्ठान के बारे में बताते हुए कहा कि महालक्ष्मी महाअनुष्ठान महा पूजन सर्व प्रकार की मनोकामनाओं को पूर्ण करने वाली धन की देवी श्री महालक्ष्मी का अनुष्ठान करने से आर्थिक स्थिति में तीव्र गति से सुधार होता है। व्यापार में पूर्ण अभिवृद्धि होती है। समस्त विघ्नों का नाश होकर परिवार में शांति का वातावरण निर्मित होता है। यदि आप अपने जीवन में सुख शांति तथा समृद्धि की चाहना रखते हो तो इस पूजन में अवश्य भाग लें। यह पूजन करने के बाद धन और ऐश्वर्या की कभी कमी नहीं होगी अष्ट लक्ष्मी की प्राप्ति होगी।

श्री यंत्र को अपने घर में स्थापना करने से सर्व प्रकार का वास्तु दोष निवारण होता है बालकों में ज्ञान की अभिवृद्धि होती है मनोबल मजबूत होता है।

मेघराज भंसाली ने बताया कि साध्वीश्री की निश्रा में 25 अगस्त को सामूहिक श्रीयंत्र महालक्ष्मी महापूजन रखा गया है। मुख्य पीठीका का लाभ वंसतराज पारस भंसाली व सुनील कुंकुलोल परिवार ने लिया है। नवकार महामंत्र जाप 68 तीर्थ भावयात्रा में काफी संख्या में श्रद्धालुओं ने लाभ लिया। तिलोकचंद भंडारी, जयंतीलाल पटियात, हेमराज मोदी, कांतिलाल गांधीमुथा, कांतिलाल सोफाडिया, रमेश पालगोता आदि उपस्थित रहे।

‘कर्म निर्जरा के लिए होती है तपस्या’

वरिष्ठ बाबेल दंपति ने लिया अट्ठाई का प्रत्याख्यान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के विजयनगर बेंगलूरु स्थित अर्हम भवन में मुनिश्री दीपकुमारजी के सान्निध्य में मुनिश्री काव्य कुमारजी के संसार पक्षी दादा-दादी वरिष्ठ दंपति मनोहरलाल और कमलादेवी बाबेल ने अट्ठाई तप व प्रेम दुग्गड़ ने तेरह (13 उपवास) की तपस्या के प्रत्याख्यान लिए। मुनिश्री दीपकुमारजी ने कहा कि साधना का महत्वपूर्ण उपक्रम है तप। तपस्या कर्म निर्जरा के लिए करें। पहले जो कर्म बंधन हो गया उसे बंधन को कमजोर करना है, तोड़ना है, आत्मा और शरीर दोनों की सफाई करनी है तो वह तप से हो सकती है।

तपस्या करने से पहले अपने बल को, प्राणशक्ति को देखो। श्रद्धा और आरोग्य को देखो। कमजोर स्वास्थ्य के साथ तप हितकर नहीं होता, सारी स्थितियों को देखकर तप करें। आज तपस्या की पद्धति चिकित्सा पद्धति बन रही है, असाध्य बीमारियां भी तपस्या से ठीक हो जाती है।

मुनिश्री ने तपस्वियो के लिए स्वरचित गीत गाया। मुनिश्री काव्यकुमारजी ने कहा कि मेरे संसारपक्षीय 73 वर्षीय दादाजी व 70 वर्षीय दादीजी ने सजोडे अट्ठाई की तपस्या कर बड़े समता बल का परिचय दिया है। कार्यक्रम में अनीशा बाबेल, अक्षरा बाबेल, चिरायु बाबेल ने विचार रखें। बाबेल परिवार की महिलाओं ने तप अनुमोदना हेतु गीत का गान किया । सभा अध्यक्ष प्रकाश गांधी सहित सभा, परिषद, महिलामंडल आदि संस्थाओं द्वारा तपस्वियों का अभिनंदन किया गया।

कुमारा पार्क में सुराणा परिवार द्वारा बनने वाले जैन भवन व मंदिर का हुआ शिलान्यास

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के कुमारा पार्क रेल्वे पैरेलल रोड पर स्थित 7200 वर्ग फीट के भूखण्ड पर सुराणा जैन भवन एवं पार्श्व प्रभु का भव्य मंदिर बनेगा।आचार्यश्री अभयशेखरसूरीश्वरजी, साध्वीश्री संस्कारनिधिजी आदि साधु-साध्वीवृंद की निश्रा में माइक्रो लैब्स लिमिटेड के भवरीबाई, दिलीप-अर्चना, आनंद-मोनिका एवं सुराणा परिवार द्वारा शिलान्यास का विधान सम्पन्न हुआ। इससे पूर्व क्षेत्रपाल पूजा, नवग्रह दशदिग्पाल, अष्टमंगल, शिला अभिषेक व स्थापना का विधान अल्पेश गुरूजी के मंत्रोच्चारण के बीच सम्पन्न हुआ। सुराणा परिवार द्वारा मिली जानकारी अनुसार यह भवन ग्राउंड सहित तीन मंजिला बनेगा, जिसका उपयोग साधु-साध्वीवृंद के शेषकाल, पौषध, धार्मिक अनुष्ठान आदि में होगा । इस अवसर पर कुमारापार्क संघ, माधवनगर संघ सहित बडी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित थे।

पुरस्कार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

कर्नाटक सरकार शिक्षा विभाग द्वारा राजाजीनगर क्षेत्र के सरकारी प्राथमिक एवं उच्च प्राथमिक विद्यालय एवं सरकारी अनुदानित प्राथमिक एवं उच्च प्राथमिक विद्यालय के बच्चों के लिए प्रतिभा कारंजी 2023 का आयोजन बसवेश्वरनगर स्थित सरकारी विद्यालय में किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन क्षेत्रीय शिक्षा अधिकारी केजी अंजनाप्पा ने दीप प्रज्ञवलन किया । मुख्य अतिथि महेंद्र मुणोत ने बाल प्रतिभाओं को पुरस्कृत किया। इस अवसर पर 15 से भी ज्यादा विद्यालयों के बच्चों ने हिस्सा लिया।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

कविता

बस जरा सा रुका हूँ

ठहरा हुआ वक्त नहीं हूं
सूखा ताल त्रस्त नहीं हूं
मैं बस ज़रा सा रुका हूं
तन से अभी सुस्त नहीं हूं।

अभी बहुधा चुस्त नहीं हूं
तेरे जितना मस्त नहीं हूं
मैं बस ज़रा सा रुका हूं
खेल में पूर्ण परस्त नहीं हूं।

अमीरों सा व्यस्त नहीं हूं
जाना माना हस्त नहीं हूं
मैं बस ज़रा सा रुका हूं
अगम्य पथ पर ध्वस्त नहीं हूं।

हुनर में समस्त नहीं हूं
बातों में संयुक्त नहीं हूं
मैं बस ज़रा सा रुका हूं
कालचक्र में दुरुस्त नहीं हूं।

संसार में उत्कृष्ट नहीं हूं
संचार में स्पष्ट नहीं हूं
मैं बस ज़रा सा रुका हूं
युग धारा से नष्ट नहीं हूं।

■ आनंद दाधीच 'भारत'

‘परमात्मा का आलंबन ही श्रेष्ठ आलंबन है’

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के शांतिनाथ जैन श्वेताम्बर मूर्तिपूजक संघ ट्रस्ट के तत्वावधान में एलएनपुरम स्थित समणी भवन के प्रांगण में चातुर्मासार्थ विराजित मुनिश्री राजपद्मसागरजी ने चैत्यवंदन

भाष्य में परमात्मा की पूजा एवं विधि संबंधी बात को समझाते हुए कहा कि 10 प्रकार की त्रिक अर्थात न करने वाला कार्य, उसमें से आठवीं त्रिक आलंबन त्रिक है, हम कुछ कार्य भी करते है तो किसी न किसी का आलंबन लेते है। इस आलंबन त्रिक में तीन प्रकार के आलंबन है, सूत्र, अर्थ और मूर्ति का आलंबन लेना है उसको आलंबन त्रिक बोलते है। सूत्र आलंबन अर्थात चैत्यवंदन करते समय सूत्री का स्पष्टरुप से उच्चारण होना चाहिए, सूत्र एकदम स्पष्ट बोलना चाहिए, शुद्धि पूर्वक बोलना है। अर्थ आलंबन यानी चैत्यवंदन के सूत्र बोलते समय उस सूत्र के अर्थ को जानना।

मूर्ति आलंबन चैत्यवंदन करते समय परमात्मा को समक्ष देखना है,परमात्मा के समक्ष दृष्टि रखनी है। मुनिश्री श्रमणपद्मसागरजी ने बताया कि परमात्मा का हृदय विशालता एवं स्वच्छता से भरपूर है, परमात्मा के हृदय में करुणा भाव रहता है, अपकारी के प्रति भी प्रभु हमेशा करुणा भाव रखते है।

‘विश्व का सबसे शक्तिशाली मंत्र है नवकार महामंत्र’

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। शहर के महालक्ष्मी लेआउट स्थित चिंतामणि पार्श्वनाथ जैन मंदिर में चातुर्मासार्थ विराजित साध्वीश्री तत्वत्रयाश्रीजी, गोयमरत्नाश्री व परमप्रज्ञाश्रीजी की निश्रा में नवदिवसीय नवकार महामन्त्र की आराधना शुरू हुई। साध्वी तत्वत्रयाश्रीजी ने कहा कि नवकार के नवपदों का एक

एक दिन सुमरिन करेगे, नवकार महामंत्र विश्व का सबसे शक्तिशाली प्रमुख मंत्र है। सभी धर्मों के अपने अपने मंत्र, ग्रंथ,तीर्थ होते है। नवकार महामन्त्र का स्मरण करते है, यही हमें सफलता प्रदान करवाता है। इस मंत्र में 68 अक्षर है जिन्हें 68 तीर्थो की उपमा दी गई है। नवकार महामन्त्र में देव, गुरु, धर्म तीनों तत्वों का भी समावेश है,नवकार के नवपदो में अरिहंत, सिद्ध, आचार्य, उपाध्याय, साधु, दर्शन, ज्ञान, चारित्र और तप ये नवपद समाहित है और इन्हीं नवपदों में सम्पूर्ण विश्व का समावेश हो जाता है। साध्वीश्री ने कहा कि नवकार मंत्र का नमो हमें झुकना सिखाता है और नमो को यदि हम उल्टा करे तो मोन शब्द बन जाता है। नवकार मंत्र के पट की स्थापना, अखंड दीपक व वासक्षेप पूजा व आरती का लाभ सामूहिक रुप में दिया गया। यह जानकारी जयंतिलालश्री श्रीमाल ने दी।

‘पूरी पृथ्वी पर इन्सानियत से बड़ा कोई धर्म नहीं’

राणीबेन्नूर/दक्षिण भारत। यहां शहर के सुमतिनाथ जैन श्वेताम्बर मूतिपूजक संघ में चातुर्मासार्थ विराजित आचार्यश्री महेन्द्रसागरसूरीजी के सान्निध्य में तेइसवें तीर्थंकर श्री पार्श्वनाथजी के एक सौ आठ तीर्थों की भाव यात्रा के दूसरे दिन सत्ताइस तीर्थों की भाव यात्रा स्तुति-गीत संगीतमय प्रस्तुति की गई। आचार्यश्री ने भाव यात्रा का विवेचन में कहा कि जब आपके घमंड का स्तर चरम पर होता है तब पतन की शुरुआत वहीं से होती है। रावण के पतन कारण घमंड था। घमंड में आदमी अंधा होकर के वो सारी चीजें करता है जो उसके विनाश का कारण बनती है और इस घमंड से बचे रहने का एक ही तरीका है, आपके साथ जो भी अच्छा हो रहा है, जो भी अच्छा काम आप कर पा रहे हो, जो बेहतर कर पा रहे तो उसका क्रेडिट किसी ओर को दे दो। भगवान को तो हमेशा दे दो क्योंकि उसकी वजह से सब कुछ हो रहा है।

वहाँ से रास्ता खोजो और आगे बढ़ जाओ। इस पूरी पृथ्वी पर इन्सानियत से बड़ा कोई धर्म नहीं। बुधवार को सत्ताइस तीर्थों की भाव यात्रा का लाभ महेन्दकुमार सुकनराज गांधी परिवार ने लिया।

Printed & Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company, 6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51 and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**,
(*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.
HEAD OFFICE : DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT, New Media Company, 6/4, Cantonment Station Road, Bangalore 560051. Editorial : 080-25363030 / 9945488003. For Advertisement : 9945488002 - email : news@dakshinbharat.com